केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

# दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 173 गुरूवार 16 जनवरी 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

## एक नजर

### बस्ती मण्डल में 114 निक्षय पोटली वितरित

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

बस्ती । मण्डलायुक्त अखिलेश सिंह के निर्देशन में मण्डल को टीबी मुक्त बनाने के लिए 100 दिवसीय सघन टीबी अभियान 24 मार्च 2025 तक संचालित है। उक्त जानकारी देते हुए संयुक्त विकास आयुक्त बलराम कुमार ने बताया कि 100 दिवसीय सघन टीबी अभियान के अन्तर्गत मण्डल में कुल 57 मण्डल स्तरीय अधिकारियों द्वारा 114 निक्षय पोटली वितरित किया गया। इसमें जनपद बस्ती के 25 अधिकारियों द्वारा 50 पोटली, सिद्धार्थनगर के 14 अधिकारियों द्वारा 28 पोटली एवं संतकबीर नगर के 18 अधिकारियों द्वारा 36 पोटली है। पोषण पोटली में मुॅगफली, भूना चना, गुड, सत्तू, तिल या गजक, बोर्नबीटा उपलब्ध है।

उन्होने बताया कि खासी, बुखार, रात में पसीना आना, मुॅह से खून आना, वजन कम होना, भूख ना लगना, गर्दन में गिल्टी/गॉठ, बाझपन आदि टीबी के मुख्य लक्षण है। उक्त लक्षण वाले व्यक्ति तत्काल स्क्रिनिंग/जॉच करायें। अभियान के दौरान स्वास्थ्य विभाग द्वारा भी उक्त लक्षण वाले लोगों को चिन्हित कर स्क्रिनिंग करायी जा रही है।

### ठंड से ठहरी जिन्दगी

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

बस्ती। लगातार दूसरे दिन भी सूर्यदेवता के दर्शन नहीं हुए। बुधवार की सुबह भी घने बादलों संग बर्फीली हवाओं ने ठिठुरन को और बढ़ा दिया। शीतलहर को देखते हुए प्रशासन स्तर से कक्षा एक से आठ तक के स्कूलों में बुधवार को भी अवकाश घोषित कर दिया। जबकि 15 दिनों के शीतकालीन अवकाश के बाद बुधवार से स्कूल खुलने थे। स्कूल बंद होने से छोटे बच्चों को राहत मिली। कड़ाके की गलन के बीच लोग अलाव का सहारा लेते नजर आए। तापमान के पारे पर भी मौसम का असर दिखा। न्यूनतम तापमान बुधवार की सुबह लुढ़ककर सात डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। वहीं दिन के वक्त अधिकतम पारा भी 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे लढ़कने की संभावना है। पछुआ के चलते गलन बढ़ती जा रही है। घर से ऊनी कपड़ों से लैस होकर ही लोग सड़कों पर निकल रहे हैं। वहीं अधिकतर लोग घरों में ही दुबके हुए हैं। जरूरी काम से ही बाहर निकल रहे हैं। मौसम का मिजाज ऐसे ही बना रहता है तो छोटे बच्चों की छुट्टी को प्रशासन और बढ़ा सकता है।

### टूटे पुल से बढा खतरा

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

बस्ती। गौर के इटबहरा–गजेड़िया नाले पर बने पुलिया के मध्य सुराख हो जाने से आने–जाने वाले लोगों को हादसे का खतरा रहता है। प्रधान व ग्रामीणों की मांग पर सिंचाई विभाग के अवर अभियंता ने पुल का निरीक्षण किया और शीघ्र ही समस्या के समाधान का आश्वासन दिया। विकास खंड गौर के इटबहरा–गजेड़िया नाला पर बुढ़ौवा गांव के समीप दस वर्ष पहले सिंचाई विभाग द्वारा पुल का निर्माण कराया गया था। वर्तमान समय में पुल मध्य में धंस कर टूट गया है। जिससे पुल के मध्य में बड़ा सा होल हो गया है। इसी पुल से बुढ़ौवा गांव के पांच सौ आबादी का आना जाना है। ग्राम प्रधान बिन्दु यादव सहित ग्रामीणों का कहना है कि टूटे पुल से गन्ना लदी घिरी लेकर किसान मुख्य मार्ग पर आते हैं। ऐसे में कभी भी बड़ा हादसा होने का खतरा बना रहता है। वहीं स्कूली छात्र – छात्राएं भी आती जाती हैं। हर समय गुजरने वाले डरे सहमे रहते हैं। प्रधान व ग्रामीणों की मांग पर अवर अभियंता सिंचाई विभाग वेद प्रकाश पाण्डेय ने पुल का निरीक्षण किया और समस्या के शीध्र समाधान का आश्वासन दिया। इस बाबत अवर अभियंता वेद प्रकाश पाण्डेय ने बताया कि समस्या से उच्चाधिकारियों को अवगत कराया जाएगा। संस्तुति मिलने पर नए पुल के लिए प्रपोजल भेजा जाएगा।

# उमड़ी श्रद्धा: विश्व की सर्वाधिक आबादी वाला शहर हो गया प्रयागराज

**प्रयागराज (आभा)।** मकर संक्रांति के मौके पर प्रयागराज एक दिन के लिए विश्व का सबसे अधिक आबादी वाला शहर बन गया। महाकुंभ के प्रथम अमृत स्नान पर्व पर देश विदेश से आए लाखों श्रद्धालुओं की वजह से प्रयागराज के खाते में यह उपलब्धि दर्ज हुई। एक दिन के लिए प्रयागराज की आबादी चार करोड़ के आंकड़े को पार कर गई। मकर संक्रांति पर यहां 3.50 करोड़ लोगों ने पुण्य की डुबकी लगाई। जिले की आबादी तकरीबन 70 लाख के आसपास है। मकर संक्रांति पर आने वाले श्रद्धालु और प्रयागराज की आबादी को जोड़ लिया जाए तो यह संख्या 4.20 करोड़ हो जाती है। दुनिया में जापान का टोक्यो सर्वाधिक आबादी वाला शहर है। यहां की आबादी 3.74 करोड़ के आसपास है। 2.93 करोड़ आबादी के साथ दिल्ली दूसरे स्थान पर है। इस हिसाब से 4.20 करोड़ आबादी के साथ प्रयागराज एक दिन के लिए विश्व का सबसे बड़ा शहर बन गया। खास बात यह भी है कि मंगलवार को प्रयागराज की आबादी विश्व के कई देशों से ज्यादा रही। महाकुंभ के प्रथम स्नान पर्व पौष पूर्णिमा पर 1.75 करोड़ लोगों ने पुण्य की डुबकी लगाई थी।

अगर उस आंकड़े को मकर संक्रांति के मौके पर स्नान करने वालों की संख्या से जोड़ा जाए तो यह संख्या 5.25 करोड़ बैठती है। अभी 29 जनवरी को मौनी अमावस्या का स्नान पर्व है। अमावस्या पर छह से आठ करोड़ के बीच श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है। ऐसे में प्रयागराज 29 जनवरी को भी विश्व में सर्वाधिक आबादी वाला शहर बनने जा रहा है।

प्रयागराज में मकर संक्रांति पर्व पर मंगलवार को सनातन परंपरा के सबसे बड़े मानव समागम का वृहद रूप दिखा। हर तरफ स्नानार्थियों की आस्था उमड़ती रही। मेला क्षेत्र के अलावा प्रमुख मार्गों पर भी स्नानार्थियों की भीड़ रही। आस्था की नगरी में तरह–तरह के रंग दिखे। लोग मां गंगा और भोले बाबा के जयकारे लगाते हुए चलते रहे। उत्साह और जयकारों के बीच कई किमी की पैदल यात्रा की थकान और सर्दी भी लोगों की आस्था को डिगा न सकी।

## बहन मायावती के जन्म दिन पर छात्रों में किया शैक्षणिक सामग्री का वितरण

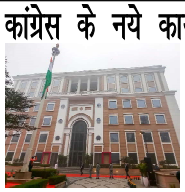



**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

**बस्ती ।** बुधवार को बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री सुश्री बहन मायावती के 69 वें जन्म दिन पर साऊंघाट विकास खण्ड के कुर्थिया स्थित अम्बेडकर पार्क में भीम पाठशाला समिति के संस्थापक अध्यक्ष राम शंकर आजाद और कोषाध्यक्ष मूलचंद आजाद के संयोजन में छात्रों में शैक्षणिक सामग्री का वितरण किया गया। कहा कि भीम पाठशाला द्वारा छात्रों को बेहतर शिक्षा और सहयोग किया जाता है। इस मौके पर केक काटकर खुशियों को साझा किया गया।

छात्रों में शैक्षणिक सामग्री का वितरण करते हुये रामशंकर आजाद ने कहा कि बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर, मान्यवर कांशीराम के बाद सुश्री मायावती ने दलित वर्ग के दर्द को समझा और उपेक्षित समाज को सबल नेतृत्व दिया।

अपने मुख्यमंत्रित्व काल में उन्होने दलित समाज के उत्थान के लिये अनेक कल्याणकारी कार्य किये। उनसे दलित वर्ग के साथ ही बहुजन समाज को बहुत अपेक्षायें हैं। उपस्थित लोगों ने बहन मायावती के यशस्वी जीवन की कामना किया।

छात्रों में शैक्षणिक सामग्री वितरण के दौरान मुख्य रूप से मंगल सिंह राव, अनिल कुमार, रीता बौद्ध, श्याम लता, रंगीलाल, दीपक कुमार, राम सुरेश, राम सुमेर, रामदीन, सुधा देवी, निशा बौद्ध, सुनैना, प्रभावती, गुड़िया, रीना आदि ने योगदान दिया।

## कांग्रेस के नये कार्यालय का उद्घाटन



नई दिल्ली (आभा)। पिछले करीब पांच दशकों से कांग्रेस पार्टी के मुख्यालय का पता 24 अकबर रोड अब बदल गया है। अब पार्टी मुख्यालय का नया पता 9ए, कोटला मार्ग है। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने बुधवार को पार्टी के नए मुख्यालय 'इंदिरा भवन' का उद्घाटन किया। सोनिया गांधी ने फीता काटकर पांच मंजिले नए भवन का उद्घाटन किया। इस दौरान उनके साथ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी समेत पार्टी के तमाम वरिष्ठ नेता भी मौजूद थे।

## मकर संक्रांति के सहभोज में स्वयंसेवकों ने किया कम्बल का वितरण

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

बस्ती। बुधवार को मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ बस्ती नगर के तत्वाधान में शिव मंदिर रघुवंशपुरी बस्ती में विशाल सहभोज और कम्बल वितरण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों और स्थानीय नागरिकों ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता अवधेश कुमार मिश्र ने किया और वक्ता के रूप में राज बिहारी प्रांत सह बौद्धिक प्रमुख ने संक्रान्ति पर्व के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होने हिन्दू समाज को संगठित और समर्थ बनाने पर जोर दिया।

कार्यक्रम में विभाग प्रचारक डॉक्टर अवधेश , जिला प्रचारक अजीत, विभाग कार्यवाह आशीष ,जिला कार्यवाह गिरिजा, नगर कार्यवाह धर्मराज, भाजपा नेता सिद्धार्थ शंकर मिश्र, दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री महेश शुक्ल, पवन कसौधन ,विहिप अध्यक्ष गोपेश पाल,विहिप नेता सत्य प्रकाश सिंह, विहिप नेता श्रद्धेय पाल जी,प्रमोद पाण्डेय, अगम सिंह के साथ ही बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

# बसपा ने सादगी से मनाया पूर्व मुख्यमंत्री सुश्री मायावती का 69 वां जन्म दिन

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

**बस्ती ।** बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री सुश्री मायावती का 69 वां जन्म दिन मालवीय रोड स्थित एक मैरेजहाल बादशाह अखाड़ा के सभागार में जिलाध्यक्ष जयहिन्द गौतम के संयोजन में बुधवार को जन कल्याणकारी दिवस के रूप में मिष्ठान वितरित कर सादगी के साथ मनाया गया। मुख्य अतिथि मुख्य मण्डल प्रभारी कल्पनाथ बाबू ने कहा कि सुश्री मायावती ने दलित, वंचित समाज को अधिकार हासिल करने का मार्ग प्रशस्त कर रही हैं। कहा कि आने वाले त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव और आगामी विधानसभा 2027 के चुनाव में पार्टी मजबूती से उतरेगी। उन्होने बसपा सरकार द्वारा कराये गये जन कल्याणकारी कार्यो की विस्तार से जानकारी दी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये पूर्व राज्य मंत्री संजय धूसिया ने आवाहन किया कि पदाधिकारी और कार्यकर्ता सत्ता और व्यवस्था परिवर्तन के लिये एक जुट हो जाय। इसके लिये अभी से बूथ स्तर की तैयारियां तेज करने की जरूरत है। सुश्री मायावती के 69 वें जन्म दिन पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य रूप से सीताराम शास्त्री, लवकुश पटेल, राजेन्द्र गौतम, यशवन्त निगम आदि ने कहा कि सुश्री मायावती का यह जन्म दिन गरीबों, मजलूमों सताये गये लोगों के लिये संकल्प का दिन है। बसपा जिलाध्यक्ष जयहिन्द गौतम ने कहा कि बसपा सर्व समाज के सहयोग से विजय हासिल करेगी। कार्यक्रम के दौरान सुभासपा छोड़ धर्मवीर सिंह के नेतृत्व में राजन चौधरी, गुड्डू चौधरी, तिलकराम, मन्टू राजभर, अतुल कुमार, जयपाल, अशोक वर्मा, प्रिन्स कुमार, भोलानाथ मौर्या, अंकित सिंह, गिरीश गौतम आदि ने अनेक कार्यकर्ताओं के साथ बसपा की सदस्यता ग्रहण किया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से ओम प्रकाश गौतम, प्रेमसागर, अतर सिंह गौतम, राम सागर, जय प्रकाश गौतम, महेन्द्र गौतम, आशुतोष सिंह, के.के. गौतम, सुभाष गौतम, प्रमोद कुमार गौतम, युगुल किशोर चौधरी, रामचेत निराला, आर.डी. प्रेमी, दीपक कुमार, रामकरन गौतम, शैलेन्द्र गौतम, राम सिंह पटेल, रामकरन गौतम, रामफेर, राम सरोज, सुभाष चौधरी, दिवाकर कपूर, के.पी. राठौर, के.सी. मौर्य, राजू राव, नवमी प्रसाद, देशराज गौतम, के.सी. मौर्य, डा. राम जियावन, बी.पी. सक्सेना, रामदास एडवोकेट, शिवराम कन्नौजिया, भवानीभीख, विनोद चौधरी, राम सिंह पटेल, शिव कुमार, डा. निसार अहमद, महेश चन्द्रबंशी , शिवशंकर, शाका चौधरी, गोपीनाथ, तबारक अली, डा. निसार, योगेन्द्र कुमार चौधरी, दिलीप कुमार एडवोकेट, नायब चौधरी, महेशचन्द्रबंशी, उमाशंकर, डा. सुरेन्द्र, सत्य प्रकाश, जे.पी. मास्टर, शिखा, आराधना, शोभावती, शशि, हेमलता, कंचन, विमला देवी, मिशन गायक मोहित यादव, छटंकी प्रसाद, रामलला गौड़ के साथ ही बड़ी संख्या में बसपा कार्यकर्ता, पदाधिकारी आदि शामिल रहे।

## जूते बांटने के मामले मे प्रवेश वर्मा पर मुकदमा

**नई दिल्ली (आभा)।** विधानसभा क्षेत्र में आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने के आरोप में भाजपा के उम्मीदवार प्रवेश वर्मा के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज की गई है। चुनाव आयोग ने दिल्ली पुलिस को प्रवेश वर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के लिए पत्र लिखा है। दिल्ली पुलिस ने चुनाव आयोग की चिट्ठी मिलने के बाद प्रवेश वर्मा के खिलाफ जूते बांटने के मामले में एफआईआर दर्ज कर ली है।

जानकारी के मुताबिक, नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र के रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) ने पुलिस को लोगों को जूते बांटकर आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने के आरोप में परवेश वर्मा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया। मंदिर मार्ग पुलिस स्टेशन के थाना प्रभारी को पत्र लिखा था।

प्रवेश वर्मा को वाल्मीकि मंदिर परिसर में लोगों को जूते बांटते हुए देखा गया था। महिला मतदाताओं को जूते बांटते हुए कथित तौर पर दिखाए जाने वाले दो वीडियो सामने आए थे। जिसके बाद नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र के रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) ने मंदिर मार्ग पुलिस स्टेशन के थाना प्रभारी को पत्र लिख प्रवेश वर्मा के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने को कहा था।

नई दिल्ली विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार प्रवेश वर्मा ने अपना नामांकन दाखिल कर दिया है।

## विधायक अजय सिंह ने महाकुंभ के लिए तीन बसों को किया रवाना

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**



### –महाकुंभ सनातन परंपरा का पावन संगम - अजय सिंह

बस्ती। हरैया विधायक अजय सिंह द्वारा प्रयागराज महाकुंभ में जाने के लिए क्षेत्र वासियों को निशुल्क निजी बस सुविधा मुहैया कराने का सिलसिला लगातार जारी है। उन्होंने बुधवार को 200 यात्रियों की तीन बसों को अपने परशुरामपुर कार्यालय से झंडी दिखाकर रवाना किया। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने उत्साह के साथ जय श्रीराम के नारे लगाए। विधायक ने यात्रा के लिए आवश्यक वस्तुओं का वितरण भी श्रद्धालुओं में किया। विधायक ने बताया कि क्षेत्र वासियों के लिए यह सुविधा महाकुंभ के अंतिम स्नान महाशिवरात्रि तक जारी रहेगा। निशुल्क महाकुंभ यात्रा के लिए लोगों को रजिस्ट्रेशन करवाना होगा। यात्रियों के लिए रहने खाने इत्यादि की भी व्यवस्था निःशुल्क कराई गई है। बताया कि यह बसें तीर्थयात्रियों को लेकर महाकुंभ में प्रयागराज जाएंगी, जहां उन्हें दर्शन स्नान कराने के बाद वापस अयोध्या दर्शन कराते हुए उनके गंतव्य तक पहुंचाएंगी। कहा कि यह यात्रा केवल एक धार्मिक यात्रा नहीं बल्कि आस्था, संस्कृति और सनातन परंपरा का पावन संगम है।

इस अवसर पर विनोद गुप्ता, भरत सिंह, अजय तिवारी पूर्व प्रधान, रक्षाराम शर्मा, गंगा पाठक, वीरू सिंह, निर्मल सिंह, बिक्कू सिंह, तरुण सिंह मंटू, बड़े सिंह, लवकुश वर्मा, रिंकू पाण्डेय, आशीष गुप्ता प्रधान, अतुल गुप्ता, राजेश यादव प्रधान, अजीत वर्मा, प्रदीप वर्मा, मनोज पाण्डेय, राजू मौर्य, दीपक सिंह, राम शिरोमणि सिंह, सुनील यादव, दिलीप गुप्ता, निक्कू तिवारी सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

## टीबी मुक्त भारत अभियान में पोषण पोटली का वितरण

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

बस्ती। राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम और टीवी मुक्त भारत अभियान के तहत बुधवार को निक्षय दिवस के अवसर पर हरैया ब्लाक सभागार में पोषण पोटली वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। खण्ड विकास अधिकारी हर्रैया सुशील कुमार पाण्डेय, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हर्रैया के अधीक्षक डॉ बृजेश कुमार शुक्ल, एसटीएस राहुल श्रीवास्तव और एडीओ पंचायत जयप्रकाश राय ने 12 क्षय रोगियों को पोषण पोटली का वितरण किया। खण्ड विकास अधिकारी ने कहा कि सरकार टीबी मरीजों को आर्थिक सहायता तो कर ही रही है साथ में हम सभी अगर पोषण से सम्बंधित सहयोग करते हुए नियमित मरीज का देखभाल करेंगें तो क्षय रोगी जल्द ही स्वस्थ हो जाएंगे। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हर्रैया के अधीक्षक ने कहा कि टीबी लाईलाज बीमारी नही हैं बल्कि पूरी तरह से ठीक होने वाली बीमारी है। टीबी की दवा का सेवन नियमित करना चाहिए इसे बीच में नही छोड़ना चाहिए, बीच में दवा छोड़ने से गम्भीर बीमारी हो सकती है। टीबी की जांच और इलाज पूर्णतया निःशुल्क है। वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक राहुल श्रीवास्तव ने कहा कि गोद लिए गए क्षय रोगियों को नियमित पोषण पोटली जिसमें भुना चना, गुड़, मूंगफली, चिक्की, सत्तू और अन्य पोषक सामग्री दिये जा रहे हैं और उन्हें नियमित दवाइयां भी मिल रही है। एडीओ पंचायत ने कहा कि प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान का मकसद साल 2025 तक भारत में टीबी को खत्म करना है। इस अभियान के तहत, टीबी रोगियों को मुफ्त इलाज और वित्तीय सहायता दी जा रही है।

इस अवसर पर ग्राम पंचायत अधिकारी अनिल सिंह, ग्राम विकास अधिकारी सत्येन्द्र चौधरी, रवीश कुमार मिश्र, विवेक कान्त पाण्डेय, शिमला देवी, नैनशी, पूजा कुमारी, अतुल, अंकित, शालू, झुन्ना देवी, शनि, रीमा, पुष्पा, अंशू, परसराम, पुन्नी लाल, पदमाकर आदि उपस्थित रहे।

## लोक निर्माण विभाग की निविदा में मनमानी का आरोपः छात्र नेता दीनदयाल ने किया दोषी अभियन्ताओं के विरूद्ध कार्रवाई की मांग

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

बस्ती। शिव हर्ष किसान पी.जी. कालेज के पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष दीन दयाल तिवारी ने जन सुनवाई पोर्टल के द्वारा मुख्यमंत्री को सम्बोधित आवेदन देकर लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियन्ता द्वारा मिलीभगत कर चहेते ठेकेदारों को टेण्डर दिलाने के प्रयास के मामले की उच्च स्तरीय जांच और प्रभावी कार्यवाही की मांग किया है।



मुख्यमंत्री के जन सुनवाई पोर्टल के द्वारा की गई शिकायत में पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष दीनदयाल तिवारी ने कहा है कि लोक निर्माण विभाग द्वारा निविदा निकाली गई है। अधिशासी अभियन्ता अपने चहेते ठेकेदारों को टेण्डर दिलाने के लिये नियम कानून और प्रक्रिया की धज्जियां उड़ा रहे हैं। यही नहीं अधिशासी अभियन्ता के चहेते ठेकेदार द्वारा अन्य ठेकेदारों को धमकी दी जा रही है कि यदि किसी ने निविदा डाला तो अन्जाम भुगतने को तैयार रहे। इन धमकियों से अन्य ठेकेदारों में भय का माहौल है। छात्र नेता ने मांग किया है कि पी.डब्लू.डी. और लोक निर्माण विभाग में मनमानी रोकते हुये नियमानुसार टेण्डर कराये जांय और दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई की जाय।

## जमीनी विवाद में मारा पीटा, एस.पी. से लगाया न्याय की गुहार

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

**बस्ती।** लालगंज थाना क्षेत्र के बड़गोखास निवासी प्रेम प्रकाश पुत्र शिवपूजन ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर जमीनी रंजिश को लेकर हुये मारपीट के मामले में चोटों का मुआइना कराकर दोषियों के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कराने की मांग किया है।




एसपी को दिये पत्र में प्रेम प्रकाश ने कहा है कि जमीनी रंजिश को लेकर उनके पट्टीदार आत्माराम पुत्र राम राज, कविता देवी पत्नी आत्माराम, मंजीत पुत्र राम कमल निवासी ग्राम सिद्धनाथ ने दरवाजे पर आकर उन्हें और उनके परिजनों को बुरी तरह से मारा पीटा। स्थानीय लोगों के आने पर किसी तरह से उनका और परिवार की जान बची। 112 डायल करने पर पहुंची पुलिस ने उन्हें और भतीजे प्रदीप, पतोहू पूनम, संदीप, आलोक, मायादेवी को हिरासत में लेकर थाने ले गई और अभद्र व्यवहार किया। पुलिस ने उसका मुकदमा भी दर्ज नहीं किया। प्रेम प्रकाश ने बताया कि उसके पास रहने की जमीन भी नहीं है। उसने मामले में दोषियों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग किया है। बताया कि एसपी ने न्याय दिलाने का आश्वासन दिया है।

*"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स*

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 16 जनवरी 2025 गुरूवार

## सम्पादकीय

### बांग्लादेश से बढ़ता तनाव

गत वर्ष अगस्त में तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना के अपदस्थ होने के बाद बांग्लादेश की कार्यवाहक सरकार के दौरान भारत विरोधी रवैये में कमी नहीं आ रही है। लगातार भारत विरोधी मुहिम व अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हमले के बाद अब नया विवाद दोनों देशों की सीमा पर बाड़ लगाने को लेकर पैदा किया जा रहा है। जबकि इस मुद्दे पर दोनों देशों के बीच पहले ही सहमति बन चुकी थी। बड़े हिस्से पर पहले ही बाड़बंदी हो चुकी है। लेकिन टकराव मोल लेने को तैयार बैठे बांग्लादेश के हुकमरान विवाद के नये–नये मुद्दे तलाश रहे हैं। बीते रविवार बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने ढाका में भारत के उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को तलब किया। कयास लगाये जा रहे हैं कि बांग्लादेश ये हरकतें किसी तीसरे देश के इशारे पर कर रहा है। उल्लेखनीय है कि भारत–बांग्लादेश के बीच 4156 किलोमीटर लंबी सीमा में से 3271 किलोमीटर पर कंटीले तार की बाड़ लग चुकी है और अब 885 किलोमीटर सीमा पर बाड़ लगना शेष है। अवैध घुसपैठियों, अपराधियों और चरमपंथियों की रोकथाम हेतु सीमा पर बाड़ लगाना भारत का अधिकार है। मामले का निस्तारण बांग्लादेश को समझदारी से करना चाहिए। दरअसल, बांग्लादेश की कार्यवाहक सरकार पुराने मुद्दे उछाल कर विवाद को हवा दे रही है। ऐसे वक्त में जब पाक से उसकी नजदीकियां लगातार बढ़ी हैं और वहां पाक सेना के अधिकारियों की सक्रियता देखी गई है, भारत को अपनी सुरक्षा चिंताओं के लिये कदम उठाने ही चाहिए। अब तक पंजाब, जम्मू–कश्मीर व नेपाल के रास्ते आतंकवादियों को भारत भेजने की कोशिश पाक करता रहा है। इस आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता कि वह बांग्लादेश से लगी भारत की खुली सीमा का दुरुपयोग न करे। निश्चित रूप से पिछले दिनों बांग्लादेश से रिश्तों में जिस तरह से अविश्वास उपजा है, उसके चलते भारत अपनी सुरक्षा चिंताओं को नजरअंदाज नहीं कर सकता।

यहां उल्लेखनीय है कि बाड़बंदी के भारत के फैसले को व्यापकता में देखने की जरूरत है। यह बात भी ध्यान रखने काबिल है कि दोनों देशों में सीमा पर बाड़ लगाने को लेकर विगत में एक राय बनी हुई है। बीएसएफ और बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश यानी बीजीबी में कई बार बातचीत के बाद इस मुद्दे पर सहमति बन चुकी है। लेकिन बांग्लादेश भारत की सदाशयता के बावजूद टकराव के मूड में नजर आता है। ऐसा ही रवैया उसका अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर भी रहा है, जिस बारे में वह अब दलील दे रहा है कि हालिया हिंसक घटनाएं सांप्रदायिक नहीं बल्कि राजनीतिक कारणों से हुई हैं। बल्कि अंतरिम सरकार के प्रमुख भारतीय मीडिया पर घटनाओं को बढ़ा–चढ़ाकर बताने का आरोप लगाते हैं। ऐसे वक्त में जब बांग्लादेश की कार्यवाहक सरकार ने पाकिस्तानियों का बांग्लादेश में प्रवेश आसान कर दिया है तो पाक के बांग्लादेश को भारत विरोधी प्लेटफॉर्म के रूप में इस्तेमाल करने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। यह हकीकत है कि पाक का जन्म ही भारत विरोधी मानसिकता से हुआ है। ऐसे में अतीत से सबक लेते हुए भारत को अपनी सीमाओं की सुरक्षा को लेकर किसी तरह की चूक नहीं करनी चाहिए। किसी भी तरह की ढिलाई भारतीय सुरक्षा पर भारी पड़ सकती है। भारत की उदारता को बांग्लादेश हमारी कमजोरी न मान ले, इसलिए उसे बताना जरूरी है कि भारत से टकराव की कीमत उसे भविष्य में चुकानी पड़ सकती है। यह भी कि संबंधों में यह कसैलापन लंबे समय तक नहीं चल सकता। उसकी यह कटुता उसके लिये ही कालांतर घातक साबित हो सकती है। यह विडंबना ही है कि नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस से क्षेत्र में शांति व सद्भाव की जो उम्मीदें थी, उसमें उन्होंने कट्टरपंथियों की लाइन लेकर निराश ही किया है। उनकी सरकार लगातार अड़ियल व बदमिजाजी का रुख अपनाए हुए है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि दोनों देशों के संबंध बिगाड़ने में पर्दे के पीछे पाकिस्तान की भूमिका हो। जिस बांग्लादेश को पाकिस्तानी क्रूरता से मुक्त कराकर एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में भारत ने तमाम कुर्बानियों के बाद जन्म दिया, उसका यह रवैया दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जाएगा।

# दिल्ली में गरमाई सियासत और कांग्रेस

**–संतोष पाठक–**

कांग्रेस के इस स्टैंड ने अरविंद केजरीवाल की विधायकी पर भी तलवार लटका दिया है। केजरीवाल को अब यह डर सताने लगा है कि अब वह अपनी विधानसभा सीट 'नई दिल्ली' से भी चुनाव हार सकते हैं। केजरीवाल के इस डर के पीछे ठोस कारण है। आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल भले ही एक बार फिर से दिल्ली का मुख्यमंत्री बनने के लिए चुनाव लड़ रहे हो लेकिन इस बार वह बुरी तरह से फंसते नजर आ रहे हैं। कांग्रेस के मजबूती से दिल्ली में विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारियों ने तो आम आदमी पार्टी सरकार की वापसी पर प्रश्नचिन्ह लगा ही दिया है लेकिन इस त्रिकोणीय लड़ाई में केजरीवाल की अपनी सीट भी फंसती हुई नजर आ रही है।

अरविंद केजरीवाल इस बात को काफी पहले ही समझ गए थे, इसलिए वह लगातार इंडिया गठबंधन की एकता की बात उठाने लग गए थे। यहां तक कि केजरीवाल ने डीएमके सुप्रीमो एवं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, शरद पवार, अखिलेश यादव और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सहित कई नेताओं से राहुल गांधी को समझाने की गुहार भी लगाई। लेकिन अरविंद केजरीवाल की असलियत से वाकिफ राहुल गांधी ने यह साफ कर दिया कि कांग्रेस पार्टी दिल्ली में अपने आप को मजबूत करने के लिए चुनाव लड़ेगी। सीलमपुर की अपनी पहली चुनावी रैली में राहुल गांधी ने जिस अंदाज में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ–साथ आप मुखिया अरविंद केजरीवाल, पर भी जमकर निशाना साधा,उससे यह साफ हो गया कि राहुल गांधी अपनी पार्टी को समाप्त कर केजरीवाल की मदद कतई नहीं करेंगे।

कांग्रेस के इस स्टैंड ने अरविंद केजरीवाल की विधायकी पर भी तलवार लटका दिया है। केजरीवाल को अब यह डर सताने लगा है कि अब वह अपनी विधानसभा सीट 'नई दिल्ली' से भी चुनाव हार सकते हैं। केजरीवाल के इस डर के पीछे ठोस कारण है। अरविंद केजरीवाल वर्ष 2013 के अपने पहले विधानसभा चुनाव में दिल्ली की तत्कालीन मुख्यमंत्री शीला दीक्षित को नई दिल्ली विधानसभा सीट से चुनाव हराकर, पहले विधायक बने थे और फिर कांग्रेस के ही 8 विधायकों के समर्थन से पहली बार दिल्ली के मुख्यमंत्री बने थे। बताया तो यहां तक जाता है कि 2013 में शीला दीक्षित को चुनाव हराने के लिए कांग्रेस के कई नेताओं ने भी अरविंद केजरीवाल की मदद की थी। लेकिन दिल्ली में पार्टी को फिर से मजबूत बनाने के मिशन में जुटे राहुल गांधी ने इस बार नई दिल्ली विधानसभा सीट से केजरीवाल के खिलाफ स्वर्गीय शीला दीक्षित के बेटे और पूर्व सांसद संदीप दीक्षित को उतार कर लड़ाई को त्रिकोणीय और दिलचस्प बना दिया है।

अगर आप 2020 के विधानसभा चुनाव में अरविंद केजरीवाल को मिले वोटों की तुलना 2015 के विधानसभा चुनाव से करेंगे तो आपको यह समझ आ जाएगा कि केजरीवाल को अपनी ही विधानसभा सीट पर डर क्यों लग रहा है ? वर्ष 2015 में हुए विधानसभा चुनाव में आप मुखिया अरविंद केजरीवाल को 57,213 वोट मिले थे। लेकिन वर्ष 2020 में हुए विधानसभा चुनाव में दिल्ली के मुख्यमंत्री होने और कुल मतदाताओं की संख्या में बढ़ोतरी होने के बावजूद केजरीवाल को मिले वोटों में भयानक गिरावट आ गई थी। 2015 के चुनाव में जिन केजरीवाल को 57,213 वोट मिले थे, उन्ही केजरीवाल को 2020 के चुनाव में 46,758 वोट ही मिल पाए थे। पिछली बार यानी 2020 के विधानसभा चुनाव में केजरीवाल की जीत का अंतर 21,697 था लेकिन उस चुनाव में कांग्रेस के उम्मीदवार को सिर्फ 3,220 मत ही मिल पाए थे। इस बार शीला दीक्षित के बेटे संदीप दीक्षित कांग्रेस उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ रहे हैं और अगर वह आखिर तक पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ पाते हैं तो फिर केजरीवाल के लिए मुसीबतें खड़ी हो जाएगी। क्योंकि इस बार दिल्ली के एक और पूर्व मुख्यमंत्री के बेटे प्रवेश वर्मा भी नई दिल्ली से चुनाव लड़ रहे हैं। भाजपा उम्मीदवार के तौर पर प्रवेश वर्मा और कांग्रेस उम्मीदवार के तौर पर संदीप दीक्षित के मजबूती से चुनाव लड़ने की वजह से वोटों का बिखराव होगा, जिसका सीधा– सीधा नुकसान अरविंद केजरीवाल को ही होगा। इसलिए आम आदमी पार्टी के तमाम नेता और स्वयं अरविंद केजरीवाल भी अंदर से डरे हुए हैं।–(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं।)

# अमेरिका में भड़की आग से सबक ले दुनियां

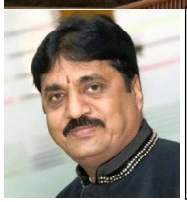





**–ललित गर्ग–**

**अनियंत्रित विकास, पर्यावरण की घोर उपेक्षा एवं भौतिकतावादी सोच इस आग का बड़ा कारण है। खरबों रुपये की संपत्ति और प्राकृतिक संपदा के नष्ट होने के अलावा करीब दो लाख लोगों को विस्थापित होना पड़ा है। आलीशान बंगलों, सरकारी संरचना तथा नागरिक सुविधा के साधनों के स्वाह होने के साथ करीब 24 लोगों के मारे जाने की खबर है। करीब दो लाख लोगों को घर–बार छोड़कर जाने के लिये तैयार रहने को कहा गया है। अमेरिका संस्कृतिविहीन देश बनता जा रहा है– यह राष्ट्र भौतिक विकास, पर्यावरण उपेक्षा एवं शस्त्र संस्कृति पर सवार है।**

अमेरिका के लॉस एंजेलिस में जंगल की बेकाबू आग फेलने, भारी तबाही, महाविनाश और भारी जन–धन की क्षति ने साबित किया है कि दुनिया की नंबर एक महाशक्ति भी कुदरत के रौद्र के सामने बौनी ही साबित हुई है। न केवल अमेरिका के इतिहास में बल्कि दुनिया के इतिहास यह जंगल की आग सबसे भयावह, सर्वाधिक विनाशकारी एवं डरावनी साबित हुई है। आग धीमी होने का नाम नहीं ले रही है। बल्कि और तेजी से बढ़ती जा रही है और इसका कारण 160 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली हवाएं हैं। ये हवाएं इस आग को और भड़का रही हैं, तबाही का मंजर बन रही है, जिसे रोकना अमेरिका प्रशासन के लिए एक चुनौती बन गया है। अमेरिकी सेना के सी–130 विमान और फायर हेलीकॉप्टर हर संभव कोशिश कर रहे हैं। लेकिन हवा की गति और आग की लपटों की ताकत के आगे दुनिया की सबसे बड़ी ताकत के तमाम प्रयास नाकाफी एवं बेबस साबित हो रहे हैं।

अनियंत्रित विकास, पर्यावरण की घोर उपेक्षा एवं भौतिकतावादी सोच इस आग का बड़ा कारण है। खरबों रुपये की संपत्ति और प्राकृतिक संपदा के नष्ट होने के अलावा करीब दो लाख लोगों को विस्थापित होना पड़ा है। आलीशान बंगलों, सरकारी संरचना तथा नागरिक सुविधा के साधनों के स्वाह होने के साथ करीब 24 लोगों के मारे जाने की खबर है। करीब दो लाख लोगों को घर–बार छोड़कर जाने के लिये तैयार रहने को कहा गया है। अमेरिका संस्कृतिविहीन देश बनता जा रहा है– यह राष्ट्र भौतिक विकास, पर्यावरण उपेक्षा एवं शस्त्र संस्कृति पर सवार है। वहां के नागरिक अपने पास जितने चाहें, उतने भौतिक संसाधन रख सकते हैं। सुविधावादी जीवनशैली के शिखर एवं तमाम सुरक्षा परिस्थितियों में जीने के बावजूद यह देश आज कितना असहाय एवं बेबस है। विकास की बोली बोलने वाला, विकास की जमीन में खाद एवं पानी देने वाला, दुनिया में आधुनिकता, तकनीक एवं विकास की आंधी लाने वाला अमेरिका जब खुद ऐसी भीषण आग की तबाही का शिकार होने लगा तो उसकी नींद टूटी हैं, उसे अपनी असलियत का पता लगा।

दुनिया को सुरक्षा एवं विकास का आश्वासन देने वाला देश आज खुद अपनी रक्षा नहीं कर पा रहा है। वहां के आधुनिक तकनीक से लेस दमकल विभाग व सुरक्षा बलों की तमाम कोशिशों के बावजूद आग बेकाबू है। लोग असहाय होकर अपनी जीवन भर की पूंजी को स्वाह होते देख रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के चलते तल्ख होते मौसम से हालात और खराब होने की आशंका जतायी जा रही है। आग के बाद का जो मंजर नजर आ रहा है उसे देखकर ऐसा लगता है मानो कोई बम गिराया गया हो। विडंबना यह है कि आपदा में अवसर तलाशने वाले कुछ लोग खाली कराये गए घरों में लूटपाट से भी बाज नहीं आ रहे हैं। हॉलीवुड हिल्स इलाके में करीब साढ़े पांच हजार से अधिक इमारतों के नष्ट होने की खबर है। कई नामी फिल्मी हस्तियों के घर, जैसे बिली क्रिस्टल, मैंडी मूर, जेमी ली कर्टिस और पेरिस हिल्टन शामिल हैं एवं व्यावसायिक इमारतें व सार्वजनिक संस्थान आग की भेंट चढ़े हैं। वहां की आस्थाएं एवं निष्ठाएं इतनी जख्मी हो गयी कि विश्वास जैसा सुरक्षा–कवच मनुष्य–मनुष्य के बीच रहा ही नहीं। साफ चेहरों के भीतर कौन कितना बदसूरत एवं उन्मादी मन समेटे है, कहना कठिन है। अमेरिका की विकास की होड़ एवं तकनीकीकरण की दौड़ पूरी मानव जाति को ऐसे कोने में धकेल रही है, जहां से लौटना मुश्किल हो गया है। ईश्वर की बनायी संरचना में दखल का ही परिणाम है कि प्रकृति इतना रौद्र एवं विध्वंसक रूप धारण किया है।

अमेरिका आज दुनिया में प्रकृति के दोहन, अपराध का सबसे बड़ा अड्डा है और हिंसा की जो संस्कृति उसने दुनिया में फैलाई, आज वह स्वयं उसका शिकार है। अमेरिका के इतिहास में यह जंगल की आग सबसे भयावह साबित हुई है। चिंता की बात यह है कि इलाके में हाल–फिलहाल बारिश होने की संभावना नहीं है, जिससे जंगल की आग जल्दी काबू में आ सकती। एक बड़े इलाके में बिजली आपूर्ति ठप होने व पानी की आपूर्ति में बाधा संकट को और बढ़ा रही है। लोगों की सुरक्षित स्थानों में जाने के लिये अफरा–तफरी से जगह–जगह ट्रैफिक जाम लग रहे हैं। पानी का दबाव कम होने से दमकल कर्मियों को आग बुझाने में परेशानी आ रही है। घोर अव्यवस्था एवं कुप्रशासन फेला है। दरअसल यह आग लॉस एंजेलिस के उत्तरी भाग में लगी, जिसने बाद में कई बड़े शहरों को अपनी चपेट में ले लिया। तेज हवाओं व सूखे मौसम के कारण आग ज्यादा भड़की है। सूखे पेड़–पौधे तेजी से आग की चपेट में आ गए। हालांकि, आग लगने का ठोस कारण अभी तक पता नहीं चला है। हकीकत है कि जंगलों में 95 फीसदी आग इंसानों द्वारा ही लगायी जाती है। वैसे जलवायु परिवर्तन प्रभावों के चलते बदले हालात में अब पूरे साल आग लगने की आशंका बनी रहती है।

अमेरिका दुनिया पर अपना एकछत्र शासन चाहता है। कनाडा, ग्रीनलैंड एवं पनामा को अमेरिका में शामिल करना चाहते हैं। मतलब सीधा सा है जिसकी लाठी उसकी भैंस यानी पावर और पैसे के बल पर खुद को बलवान और सुपरपावर मुल्क समझने वाला अमेरिका एक आग के आगे बेबस नजर आ रहा है। कैलिफोर्निया के दक्षिणी हिस्से में शुरू हुई इस जंगल की आग ने अब लॉस एंजेलिस जैसे बड़े शहर को राख बना दिया है। पैलिसेड्स में 20 हजार एकड़, ईटन में 14 हजार एकड़, कैनेथ में 1000 एकड़, हर्स्ट में 900 एकड़, लिडिआ में 500 एकड़ में आग फैली है। इन इलाके में राख के बारीक कणों व धुएं की चादर के कारण स्थानीय स्वास्थ्य इमरजेंसी घोषित की गई है। लोगों का जीवन इन सभी स्थानों पर दुर्भर हो गया है। लॉस एंजलिस की इस आग ने न केवल जीवन और संपत्ति को नुकसान पहुंचाया है, बल्कि सूखे और जलवायु परिवर्तन के प्रति गंभीर चेतावनी भी दी है। इससे निपटने के लिए दीर्घकालिक समाधान तलाशना बेहद जरूरी है।

आज अमेरिका विकास की चरम अवस्था पार कर चुका है। यह आशंका सदैव बनी रही है कि अनियंत्रित विकास एवं प्रकृति विनाश के प्रति समय रहते नहीं चेतने की कीमत सृष्टि के विनाश एवं मानवता के धंस से चुकानी होती है, धरती का पर्यावरण नष्ट हो जाता है। धरती पर मंडराते इसी संकट का प्रतीक है यह आग। बात बहुत ही सीधी सी है कि जब तक प्रकृति डराती नहीं विकास की राहें ऐसे ही बेतहाशा एवं अनियंत्रित आगे बढ़ती रहती हैं। किंतु जब प्रकृति मुस्कुराना भूल जाए तो वह विकास, विकास नहीं रहता। वहाँ कृत्रिमता दस्तक देने लगती है, धरती करवट बदलने लगती है, अम्बर चीत्कार कर उठता है तब मनुष्य को समझ लेना चाहिए कि अब विनाश की पदचाप सुनाई देने लगी हैं। अपनी राहें सुरक्षित रखने के वास्ते राहों को मोड़ने पर विचार करना चाहिए। जिद एवं अहंकार में बाजी पलट सकती है, वरना विनाश का दावानल अमेरिका की आग की तरह सब कुछ राख कर देता है। 'मन जो चाहे वही करो' की मानसिकता वहां पनपती है जहां ईश्वर की सत्ता एवं इंसानी रिश्तों के मूल्य समाप्त हो चुके होते हैं, ऐसी स्थिति में शक्तिशाली देश अपनी अनंत शक्तियों को भी बौना बना देता है। यह दकियानूसी ढंग है भीतर की अस्तव्यस्तता को प्रकट करने का। ऐसे देशों एवं लोगों के पास सही जीने का शिष्ट एवं अहिंसक सलीका नहीं होता। वक्त की पहचान नहीं होती। ऐसे लोगों में संतुलित विकास, शांतिपूर्ण सहजीवन, सृष्टि का संतुलन एवं सर्वोच्च ईश्वर सत्ता के प्रति सम्मान आदि का कोई खास ख्याल नहीं रहता। भौतिक सुख–सुविधाएं ही जीवन का अंतिम लक्ष्य बन जाता है। एक राष्ट्र मूल्यहीनता, प्रकृति उपेक्षा एवं अहंकारी सोच में कैसे शक्तिशाली बन सकता है? पक्षी भी एक विशेष मौसम में अपने घोंसले बदल लेते हैं। पर मनुष्य अपनी वृत्तियां नहीं बदलता। वह अपनी वृत्तियां तब बदलने को मजबूर होता है जब दुर्घटना, दुर्दिन या दुर्भाग्य का सामना होता है। अमेरिका की आग पक्षियों के इस संदेश को समझने व समय रहते जागने को कह रही है। इस आग से अमेरिका ही नहीं, समूची दुनिया को सबक लेने की जरूरत है।

# सेना में सुधारों की पहल

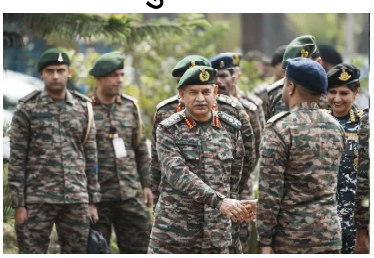



**–डॉ. लक्ष्मी शंकर यादव–**

पंद्रह जनवरी, 1949 को सेना प्रमुख के तौर पर एक भारतीय नागरिक लेफ्टिनेंट जनरल के.एम. करियप्पा को तत्कालीन ब्रिटिश कमांडर–इन–चीफ जनरल सर फ्रांसिस बूचर से सेना की आधिकारिक कमान सौंप दी गई थी। इसके अगले वर्ष 1950 से 15 जनवरी को देश में सेना दिवस मनाए जाने की परंपरा की शुरुआत हुई। भारतीय सेना ने देश को अखंड भारत बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। तबसे भारतीय सेना की ताकत में भी लगातार वृद्धि की जा रही है।

चीन से चल रहे तनाव को देखते हुए अब चीन सीमा के निकट भारतीय सेना पूरे वर्ष जवाब देने के लिए तैयार रहती है। भारत–चीन सीमा विवाद के चलते सेना की ताकत में इजाफा करना जरूरी है। इसीलिए सेना ने पर्यावरण मंत्रालय से गोला–बारूद और सैन्य उपकरणों के भंडारण की अनुमति मांगी थी। इसके लिए अभी हाल ही में पर्यावरण मंत्री की अध्यक्षता में एक बैठक हुई थी, जिसमें राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड ने सेना के प्रस्ताव पर विचार करते हुए 'हानले' और 'फोटी ला' के पास गोला–बारूद भंडारण सुविधा की स्थापना किए जाने की अनुमति प्रदान कर दी। इसके अलावा सैन्य उपकरणों के भंडारण के लिए भूमिगत गुफाएं बनाने की स्वीकृति दे दी। यही नहीं, लुकुंग में मजबूत सैन्य उपस्थिति किए जाने का प्रस्ताव पेश किया गया।

यह बुनियादी ढांचा चांगथांग उच्च ऊंचाई वाले शीत मरुस्थल के वन्यजीव अभयारण्य और कराकोरम नुब्रा श्योक वन्यजीव अभयारण्य में विकसित किया जाएगा। इस निर्माण का उद्देश्य गोला–बारूद की आपूर्ति में तेजी लाना है, जिससे युद्ध की स्थिति में संचालनगत तैयारी को बिना विलंब के सुनिश्चित किया जा सके। रक्षा अवसंरचना के लिए निर्धारित स्थान संरक्षित क्षेत्रों की श्रेणी में आते हैं। इस कारण वे वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 29 के अधीन हो जाते हैं। इसीलिए रक्षा मंत्रालय को यह सुनिश्चित करने को कहा गया है कि इस क्षेत्र को कोई नुकसान न पहुंचे।

यह ऐसा क्षेत्र है जहां सेना की कुछ इकाइयां तैनात हैं। फोटी ला, कोयुल, पुंगुक और हानले आदि अग्रिम क्षेत्रों में सैन्य तैनाती है। फोटी ला अधिक ऊंचाई वाले पर्वतीय दर्रों में से एक है। यह हानले से तकरीबन 30 किलोमीटर दूरी पर है और डेमचोक का मार्ग भी है। अभी फोटी ला से 300 किलोमीटर और हानले से 250 किलोमीटर दूरी पर अस्थायी रूप से गोला–बारूद एकत्र किया जाता है। इसलिए आपूर्ति में देरी होती है और संचालनात्मक प्रक्रिया में विलंब होता है।

भारतीय सेना को अब अत्याधुनिक बनाने के लिए चालू वर्ष 2025 में लागू किए जाने वाले सुधारों का खाका तैयार कर लिया गया है। अब भारतीय सेना कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग के माध्यम से स्वदेशी सामानों का उपयोग तथा रक्षा कूटनीति को बढ़ावा देने पर ध्यान देगी। इसके लिए रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने सेना के लिए वर्ष 2025 को 'सुधारों का वर्ष' घोषित किया है। यह कार्य सेना के लिए अधिक चुस्त, तकनीकी रूप से उन्नत और युद्ध के लिए तैयार रहने के हेतु एक नए बदलाव का संकेत है। नए सुधारों के लिए सेना का व्यापक दृष्टिकोण पांच प्रमुख स्तंभों पर आधारित होगा। ये स्तंभ संयुक्तता व एकीकरण, सुरक्षा बलों का पुनर्गठन, सैन्य आधुनिकीकरण व प्रौद्योगिकी, संचार प्रणाली व प्रक्रियाएं तथा मानव संसाधन प्रबंधन हैं। विदित हो कि सेना ने इससे पहले वर्ष 2023 को 'परिवर्तन का वर्ष' एवं वर्ष 2024–25 को 'प्रौद्योगिकी अपनाने का वर्ष' घोषित किया था।

भारतीय सेना की असॉल्ट राइफल की कमी दूर करने के लिए रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने स्वदेशी असॉल्ट राइफल 'उग्रम' को तैयार कर दिया है। इसे मात्र 100 दिनों में ही डीआरडीओ ने तैयार किया है। यह शत्रु को 500 मीटर की दूरी से मार गिराएगी। इसका वजन चार किलोग्राम है। इसमें 20 राउंड गोलियों की मैगजीन को लोड किया जा सकता है। यह सिंगल और फुल ऑटो मोड में फायर कर सकती है। यह 7.62 मिमी कैलिबर वाली राइफल है। तभी दिसंबर, 2023 में रक्षा अधिग्रहण परिषद ने इसी कैलिबर की यूएस निर्मित 70,000 असॉल्ट राइफलों की खरीद को मंजूरी प्रदान की है। इस राइफल को सेना, अर्धसैनिक बलों और राज्यों की पुलिस इकाइयों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

भारतीय सेना की तोपखाना रेजीमेंट में महिला अधिकारियों को शामिल किए जाने का निर्णय लिया जा चुका है। इस रेजीमेंट में विभिन्न कैलिबर की बंदूकें, सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइलें, मोर्टार और मानव रहित हवाई प्लेटफॉर्म शामिल हैं।

# बड़े भाई ने बेटों के साथ मिलकर छोटे भाई पर तलवार व फरसे से किया हमला, गंभीर घायल होने से मौत





संवाददाता–बहराइच। रिसिया थाना क्षेत्र में खेत में नाली का पानी निकालने के विवाद में बड़े भाई ने बेटों के साथ मिलकर छोटे भाई की तलवार व फावड़े से हमला कर हत्या कर दी। हत्या से परिजनों में कोहराम मच गया और गांव में अफरातफरी मच गई। हालांकि पुलिस हत्या में सिर्फ एक युवक के शामिल होने व उसे गिरफ्तार कर लिया।

रिसिया थाना क्षेत्र के हरिहरपुर सिखनपुरवा निवासी शोभाराम चौहान (44) बुधवार की सुबह खेत में लगे यूकेलिप्टिस का पेड़ सही करने गए थे। आरोप है कि इस दौरान उनके बड़े भाई घसीटे अपने बेटों अजय, गुड्डू, रमेश व विनेश के साथ पहुंचे और पीछे से शोभाराम पर तलवार, फावड़े व कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। हमले में शोभाराम को मरा जान कर सभी उसे छोड़ कर फरार हो गए।

सूचना पर पहुंचे शोभाराम के परिजनों ने उन्हें मटेरा स्थित निजी अस्पताल पहुंचाया। जहां से चिकित्सक ने उन्हें मेडिकल कॉलेज बहराइच भेज दिया। जहां इमरजेंसी में तैनात चिकित्सक डॉ. शिवम मिश्रा ने मौत की पुष्टि कर दी। मौत की सूचना से परिजनों में कोहराम मच गया। रोते बिलखते परिजन मेडिकल कॉलेज पहुंचे और पूरा अस्पताल परिजनों के करुणा क्रंदन से गूंज उठा।

मृतक शोभाराम चौहान के छोटे बेटे विनोद ने आरोप लगाते हुए बताया कि पिता शोभाराम का उनके बड़े बेटे घसीटे के साथ खेत में नाली का पानी निकालने को लेकर विवाद हुआ था। विनोद ने आरोप लगाया कि घसीटे उनके खेत में घर का गंदा पानी निकाल रहे थे। जिस पर उनके पिता ने रोका था और इसकी शिकायत थाने पर की थी। पुलिस ने खेत में पानी न निकालने का समझौता करवाया था। इससे नाराज होकर घसीटे ने उनके पिता शोभाराम को 15 दिन के अंदर मार डालने की धमकी दी थी। जिसके 15 दिन पूरे होते ही घसीटे ने बेटों अजय, गुड्डू, रमेश व विनेश के साथ मिलकर उनके पिता शोभाराम की हत्या कर दी।

मृतक शोभाराम खेती किसानी कर अपने परिवार का भरण पोषण करते थे। उनके तीन बेटे केशवराम, दिनेश व विनोद हैं। वहीं शोभाराम के दो बेटियां निशा व दुर्गा हैं। शोभाराम ने दो बेटों केशवराम व दिनेश की शादी कर दी थी और दोनो ट्रैक्टर चलाते हैं। वहीं विनोद, निशा व दुर्गा की शादी की जिम्मेदारी अभी शोभाराम पर थी। मृतक की पत्नी रेनू देवी हत्या के बाद बच्चों के शादी व अन्य जिम्मेदारियों के लिए दहाड़े मार–मार कर रोती नजर आई।

रिसिया थाना प्रभारी मनोज सिंह ने कहा कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे थे। प्रथम दृष्टया अजय द्वारा कुल्हाड़ी से हमला करने की बात सामने आई है। आरोपी अजय को गिरफ्तार कर जांच शुरू कर दी है। मृतक के परिजनों की ओर से तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

# पूर्व प्रधान ने सहयोगियों संग दलित महिला का उजाड़ा टटिया, विरोध पर दिया जानमाल की दी धमकी



संवाददाता–श्रावस्ती। पूर्व प्रधान व प्रधान प्रतिनिधि ने अपने समर्थकों के साथ मिलकर सोमवार रामपुर कटेल निवासी एक दलित महिला का फूस का छप्पर व टटिया उजाड़ दिया। इस दौरान विरोध करने पर दबंगों ने जानमाल की धमकी देते हुए मारपीटा। इसका वीडियो वायरल होते ही गिलौला पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दिया है।

गिलौला थाना क्षेत्र के ग्राम रामपुर कटेल निवासी ईमानदार उर्फ ताजिश अली पूर्व प्रधान है। जिसकी बहू मौजूदा समय में गांव की प्रधान है। पूर्व प्रधान ने सोमवार को गांव निवासी दलित विधवा महिला कुसाना पत्नी बच्चा लाल के घर पर रखा फूस का छप्पर व टटिया गिरा दिया। इस दौरान पूर्व प्रधान व उसके समर्थकों ने जमकर तांडव भी किया।

आरोप है कि बाद में उसमें आग लगा दिया। इसका विरोध करने पर सभी ने मिलकर पीड़िता को जानमाल की धमकी देते हुए मारापीटा जिसमें महिला का बायां हाथ टूट गया। पीड़ित के पुत्र ने बताया कि उसकी पुश्तैनी भूमि है जिस पर आरोपी फर्जी बैनामा के आधार पर कब्जा कर रहे हैं। इसकी सूचना के बाद पहुंची पीआरवी पुलिस आरोपी को अपने साथ थाने ले गई। जहां से बाद में आरोपियों को छोड़ दिया गया।

मामले में गिलौला पुलिस ने पीड़िता कुसाना की तहरीर पर प्रधान प्रतिनिधि व पूर्व प्रधान ईमानदार उर्फ ताजिश अली सहित गांव निवासी देशराज, पृथ्वीराज व अनिरुद्ध के विरुद्ध गंभीर धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दिया है। वहीं, घटना के बाद पीड़ित परिवार काफी सहमा हुआ है। इस बारे में थानाध्यक्ष प्रमोद अग्निहोत्री का कहना है कि मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

# पुलिस ने नशीली दवाओं की खेप के साथ दो को पकड़ा

संवाददाता–महराजगंज। जिले में फल–फूल रहे अवैध नशीली दवाओं के कारोबार में लिप्त कारोबारियों पर ठूठीबारी कोतवाली की पुलिस ने नकेल कसने में एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। ठूठीबारी पुलिस व एसएसबी की संयुक्त कार्रवाई में नशीली दवाओं की खेप के साथ कारोबार में लिप्त दो कारोबारी पुलिस के हत्थे चढ़े हैं।

सीओ निचलौल अनुज सिंह ने बताया कि मंगलवार की रात करीब 11 बजे प्रभारी निरीक्षक योगेंद्र कुमार, चौकी प्रभारी लक्ष्मीपुर महेंद्र यादव व एसएसबी 22वीं वाहिनी के असिस्टेंट कमांडेंट मयंक गुप्ता अपनी टीम के साथ चंदन नदी पुल के दक्षिण एसएसबी रोड तिराहा ग्राम भरवलिया के पास कुंभ मेला के मद्देनजर चेकिंग कर रहे थे। इसी बीच एक बाइक चालक व एक स्कूटी चालक निचलौल की तरफ से तेज गति से आते हुए दिखाई दिए। टीम ने जब दोनों को टॉर्च की रोशनी के इशारे से रोकने का प्रयास किया तो दोनों अपना वाहन मुड़ाकर भागने का प्रयास करने लगे। इस बीच टीम ने उनको दौड़ाकर दबोच लिया। तलाशी के दौरान दोनों के वाहनों की डिग्गी में 3600 कैप्सूल प्रतिबंधित नशीली दवा एनआरएस प्रोक्सिको स्पॉस बरामद हुआ। पूछताछ में दोनों ने अपना नाम कोठीभार थाना क्षेत्र के गोपाल नगर सिसवा कस्बा निवासी विवेकानंद मल्ल व थाना बरगदवा के डगरुपुर निवासी शमशाद अली उर्फ आरिफ बताया। पूछताछ के दौरान दोनों ने स्वीकार किया कि वे प्रतिबंधित नशीली दवाओं को नेपाल में ले जाकर बेचते थे। मंगलवार की रात में भी दोनों दवाओं को नेपाल ले जाने की फिराक में थे, लेकिन पुलिस टीम के हत्थे चढ़ गए। ठूठीबारी पुलिस ने दोनों के विरुद्ध 8/21/23 एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया है।

नशीली दवाओं की बात हो तो सिसवा का नाम चर्चा में जरूर आता है। ठूठीबारी पुलिस के हत्थे चढ़ा विवेकानंद मल्ल को पहले भी नशीली दवा के साथ कोठीभार पुलिस, एसओजी व स्वाट टीम ने दबोचा था। वर्ष 2023 में 23 दिसंबर की रात करीब आठ बजे तीनों की संयुक्त टीम ने गोपाल नगर तिराहा स्थित एक मेडिकल स्टोर के पास चार कारोबारियों को गिरफ्तार किया था। इसमें विवेकानंद मल्ल भी शामिल था। चारों के पास से 15 सौ की संख्या में नशीली दवा व इंजेक्शन बरामद हुआ था। उस समय एसओजी प्रभारी महेंद्र यादव थे, जो इस बार भी नशीली दवा के कारोबारियों को दबोचने वाली टीम में शामिल हैं।

नशीले दवा के कारोबारियों को गिरफ्तार करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक ठूठीबारी योगेंद्र कुमार, लक्ष्मीपुर चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक महेंद्र यादव, वरिष्ठ एसआई प्रणव कुमार ओझा, कांस्टेबल सतीश यादव, नंदलाल यादव, दीपक कुमार, बलवंत यादव, एसएसबी 22वीं वाहिनी असिस्टेंट कमांडेंट मयंक गुप्ता, निरीक्षक जयंता घोष, एएसआई सुभाष चंद्र वर्मन, कांस्टेबल संत नारायण यादव व मोनू प्रसाद तंती शामिल रहे। आतिश कुमार सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक' ने कहा कि अवैध तस्करी की रोकथाम के लिए चलाए गए अभियान के तहत नशीली दवा के दो कारोबारियों को ठूठीबारी पुलिस व एसएसबी द्वारा गिरफ्तार किया गया है। दोनों के विरुद्ध ठूठीबारी थाने में संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर जेल भेजा जा रहा है।

# परसिया अहीर के ग्रामीणों ने महायोजना के विरोध में किया प्रदर्शन

संवाददाता–देवरिया। महायोजना 2031 के विरोध में सदर ब्लाक के परसिया अहीर गांव के लोगों ने बुधवार को विरोध प्रदर्शन किया। वह गांव की कुछ जमीनों के हरित क्षेत्र और अन्य वर्गों में आरक्षित करने का विरोध कर रहे हैं।

परसिया अहीर के ग्रामीण सुबह ब्लॉक के गेट पर इकट्ठा हुए। वहां से जुलूस की शक्ल में ग्रामीण हाथों में बैनर लिए कलेक्ट्रेट की ओर कूच कर दिए। रास्ते में वह अधिग्रहण की मनमानी नहीं चलेगी, नहीं चलेगी और महायोजना के विरोध में नारे लगाते रहे। प्रदर्शनकारी जेल पुलिस चौकी के सामने से होते हुए रुद्रपुर मोड़, भटवालिया, रामनाथ देवरिया शहीद गेट पुलिस कार्यालय बस स्टैंड होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे। यहां उन्होंने जमकर नारे लगाए। इसके बाद मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन प्रशासन को सौंपा। इससे पूर्व सदर ब्लाक के गेट पर प्रदर्शनकारियों ने गांव की महिला पूर्व प्रधान के निधन पर श्रद्धांजलि और शोक जताया। प्रदर्शन में पूर्व प्रधान फणीन्द्रनाथ तिवारी आदि शामिल रहे।

# जन कल्याणकारी दिवस के रूप में मना बसपा सुप्रीमो का जन्मदिन



संवाददाता–महराजगंज। बसपा सुप्रीमो मायावती का जन्मदिन बुधवार को जन कल्याणकारी दिवस के रूप में बसपाइयों ने मनाया। जिलाध्यक्ष नारद कुमार राव की अध्यक्षता में बसपाइयों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। संचालन जिला उपाध्यक्ष तबारक हुसैन ने किया।

मुख्य अतिथि गोरखपुर मंडल प्रभारी राधेश्याम भारती ने कहा कि उत्तर प्रदेश में जब–जब बसपा सुप्रीमो मायावती की सरकार रही तब तब प्रदेश में भय मुक्त, भ्रष्टाचार मुक्त, अन्याय मुक्त और सुशासन युक्त सरकार चली। इससे प्रदेश में अमन–चमन कायम रहा और जनहित की बहुत सारी योजनाएं लाई गई। हर समाज का गरीब, वंचित और सर्वसमाज के लोगों का विकास हुआ। रोजगार के बहुत सारे अवसर प्रदान किये गये। प्रदेश में वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन व शादी अनुदान की राशि बढ़ाकर गरीबों के हितों में काम किया। शिक्षा व्यवस्था को बढ़ाने के लिए तमाम प्राथमिक विद्यालय, जूहा स्कूल, हाई स्कूल, इण्टर कालेज, डिग्री कालेज, विश्वविद्यालय सहित मेडिकल कालेज तथा पालिटेक्निक कालेज बड़े पैमाने पर बनाकर शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने का कार्य किया गया। बिजली की व्यवस्था को चुस्त–दुरुस्त करने के लिए कई नये बिजली उत्पादन केन्द्र बनाये गये और पुराने बिजली उत्पादन केन्द्र की क्षमता बढ़ाई गयी, जिससे आम जनमानस को सीधे लाभ पहुँचा।

विशिष्ट अतिथि अमित चन्द्र गौतम ने कहा कि बहुजन समाज पार्टी की सरकार में खास कर महिलाओं के हितो का ध्यान रखते हुए लक्ष्मीबाई पेंशन योजना, सावित्री बाई फूले शिक्षा मद योजना के अन्तर्गत हाई स्कूल पास बच्चियों को एक साइकिल और 25 हजार नकद देकर उनके शिक्षा के स्तर को बढ़ाने का कार्य किया गया। संतोष कुमार जिज्ञासु ने भी अपने विचार रखे। इस दौरान नन्दू प्रसाद, मनोज पासवान, अशोक प्रताप निषाद, रमेश चन्द्र गौतम, संतोष कुमार, विरेन्द्र कुमार, देवेन्द्र गौतम, गणेश प्रसाद, बाल मुकुन्द राजभर, जितेन्द्र कुमार, मुबारक अली, मानवेन्द्र निषाद, प्रकाश राव, महेश प्रसाद, रामानुज मौर्य, अमरनाथ गौतम, भीमचन्द्र गौतम, सुबाष चन्द्र भारती, अयोध्या चौरसिया, लालजी पाण्डेय, अश्वनीधर द्विवेदी, सूर्यमन निषाद, अनिल गौतम, डा. रामानन्द गौतम, संजय गौतम, अली रजा, नजरूल्लाह खां, राजमणि राव, रामलखन सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# अज्ञात वाहन ने मासूम को मारी टक्कर, मौत

संवाददाता–श्रावस्ती। आधार बनवाने मां के साथ आये सात वर्षीय बालक को अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। स्थानीय लोगों ने मासूम को इलाज के लिए जिला अस्पताल भिनगा पहुंचाया गया जहां उसकी मौत हो गई। थाना कोतवाली भिनगा के अकबरपुर निवासी सात वर्षीय अर्पित मिश्रा पुत्र विजय मिश्रा बुधवार को घर से अपनी मां के साथ भिनगा स्थित बीएसएनएल ऑफिस आधार कार्ड बनवाने के लिए आया था। तभी अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार कर मौके से फरार हो गया। हादसे में मासूम गम्भीर रूप से घायल हो गया। जिसे स्थानीय लोगों ने इलाज के लिए जिला अस्पताल भिनगा पहुंचाया जहां उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

वही पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी हुई है।

# सड़क पर लेटे नाराज युवक को ट्रक ने रौंदा, मौत

संवाददाता–महराजगंज। ठूठीबारी कोतवाली क्षेत्र के राजाबारी गांव के झरही नदी पुल के समीप मंगलवार की रात एक हृदयविदारक घटना घटी। किसी बात को लेकर नाराज एक युवक गांव के सामने सड़क पर ही लेट गया। इस दौरान एक ट्रक ने युवक को रौंद दिया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा सीसीटीवी फुटेज में कैद हो गया है।

बताया जा रहा है कि ठूठीबारी कोतवाली क्षेत्र के राजाबारी गांव के झरही नदी पुल के पास मंगलवार की देर रात घर में दो भाइयों में कहासुनी हो गई। इससे नाराज होकर एक भाई निकलकर सड़क पर लेट गया। इस दौरान दोनों ओर से आ–जा रहे वाहन चालक उसे बचाकर गुजरते रहे। लेकिन अचानक तेज रफ्तार आए एक ट्रक ने उसका रौंद दिया। ट्रक की चपेट में आने से उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृत युवक की पहचान संजीत गौतम(48) पुत्र बुंदेला निराला के रूप में हुई। इस घटना के बाद परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल हो गया है।

ग्रामीणों ने बताया कि सूरज, राहुल व संजीत अपनी मां के साथ राजाबारी स्थित धर्मशाला में रहकर अपना भरण–पोषण करते थे। मंगलवार की रात संजीत की एक भाई से किसी बात को लेकर कहासुनी होने लगी। इससे नाराज होकर संजीत घर से निकला और ठूठीबारी–नौतनवा मार्ग पर झरही नदी पुल के समीप सड़क पर लेट गया। उसी दौरान तेज रफ्तार से जा रहे एक ट्रक की चपेट में आ गया। मृतक का एक दो साल लड़का है।

# छात्र-छात्राओं को किया जागरूक, बांटे गए मोबाइल व टैबलेट

संवाददाता–श्रावस्ती। सत्य नारायण उच्च शिक्षा संस्थान तुलसीपुर में मिशन शक्ति और यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके साथ ही छात्रों को मोबाइल व टेबलेट का वितरण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसपी घनश्याम चौरसिया रहे। तुलसीपुर स्थित सत्य नारायण उच्च शिक्षा संस्थान तुलसीपुर में आयोजित कार्यक्रम में एसपी ने कहा कि मिशन शक्ति अभियान महिलाओं को मानसिक और शारीरिक तौर पर मजबूत बनाने, उनके अधिकारों का संरक्षण करने और सुरक्षित माहौल देने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। इस अभियान के जरिए लोगों में महिला सशक्तिकरण के प्रति जागरूकता पैदा की जा रही है। ताकि समाज में महिलाओं के खिलाफ अपराधों को कम किया जा सके। उन्होंने बताया कि साइबर सुरक्षा के लिए पासवर्ड किसी को न बताएं और अनजान लिंक को डाउनलोड न करें। इसी क्रम में यातायात नियमों को पालन करने की शपथ दिलाई, यातायात जागरूकता बढ़ाने के लिए स्कूल के अध्यापकों की उपस्थिति में दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का प्रयोग अवश्य करने तथा नाबालिग बच्चों को वाहन न चलाने, तीन सवारी न बैठाने, बिना नम्बर प्लेट लगी वाहन न चलाने, नशे की हालत में गाड़ी न चलाने, वाहन को ओवर स्पीड से न चलाने की अपील की गई। विद्यालय के प्रबंधक प्रोफेसर एमएल वर्मा व प्राचार्य डॉ सुनीत सिद्धार्थ स्नातक के बच्चों को मोबाइल फोन तथा परास्नातक के छात्र छात्राओं को टेबलेट कुल 101 बच्चों का वितरित किया गया। इस मौके पर थानाध्यक्ष सोनवा गणनाथ प्रसाद, निरीक्षक साइबर थाना चन्द्रहास मिश्रा,यातायात प्रभारी मोहम्मद शमीम सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

# भू राजस्व वादों के निस्तारण में श्रावस्ती को मिला पहला स्थान

संवाददाता–श्रावस्ती। भू–राजस्व वादों के निस्तारण के मामले में श्रावस्ती को पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान मिला है। माह सितंबर की जारी सूची में श्रावस्ती पहले पायदान पर पहुंच गया है। जिलाधिकारी ने बताया कि विभिन्न राजस्व न्यायालयों में लम्बित वादों के मामलों की शासन से नियमित रूप से मानिटरिंग होती है। सभी न्यायालयों में लंबित एवं नए राजस्व वादों की नियमित समीक्षा एवं राजस्व वादों के निस्तारण में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों पर कार्यवाही की जाती है। इसके तहत राजस्व न्यायालय कंप्यूटरीकृत प्रणाली (आरसीसीएमएस) के पोर्टल पर सितंबर की प्रदेश स्तरीय जारी रैंकिंग में नए दायर वादों की संख्या के सापेक्ष वादों के निस्तारण में जनपद श्रावस्ती ने पहला स्थान प्राप्त किया है। इसके साथ ही श्रावस्ती भू–राजस्व की विभिन्न धाराओं के तहत टॉप–10 में अपनी जगह बनाये रहा। जिसमें धारा–34 के तहत कुल लम्बित विचाराधीन वादों के निस्तारण में जनपद नौवें स्थान पर है। इसके अलावा जनपद के कुल न्यायालयों के सापेक्ष में लम्बित वादों का प्रति न्यायालय औसत में श्रावस्ती सातवें स्थान पर रहा है।

# सांसद व एमएलसी ने 15 क्षय रोगियों को लिया गोद, भेंट की पोषण पोटली

संवाददाता–बहराइच। जिले में 100 दिवसीय क्षय रोग उन्मूलन अभियान के तहत सीएमओ सभागार में बुधवार को एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। सांसद आनंद गोंड व एमएलसी डॉ.प्रज्ञा त्रिपाठी ने 15 क्षय रोगियों को गोद लेकर उन्हें पोषण पोटली भेंट की। 2025 तक जिले को टीबी मुक्त बनाने की रणनीति भी सुझाई गई। जागरूकता निक्षय वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम का संचालन डीएचईआईओ बृजेश सिंह ने किया।

सीएमओ डॉ.संजय कुमार शर्मा ने बताया कि एक जनवरी से अब तक 123618 संभावित मरीजों की स्क्रीनिंग की गई, जिनमें से 2723 मरीजों का एक्स–रे व 750 नए क्षय रोगियों का पता चला। जिले में वर्तमान में कुल 4500 क्षय रोगी हैं, जिनमें से 1235 निक्षय मित्रों ने 3900 मरीजों को गोद लिया है। सांसद ने कहा कि ब्लॉक स्तर की बैठकों में प्रधानों और निजी चिकित्सकों को शामिल किया जाना चाहिए, जिससे अधिक से अधिक लोग इस अभियान से जुड़ सकें। सुझाव दिया कि जिले की औद्योगिक इकाई के सीएसआर फंड से भी पोर्टेबल एक्स–रे मशीन की उपलब्धता करायी जा सकती है। ग्राम प्रधान, जिला पंचायत सदस्य और अन्य जन प्रतिनिधियों से टीबी मरीजों को गोद लेने की अपील की।

कार्यक्रम में टीबी उन्मूलन के लिए समर्पित होकर कार्य करने की शपथ ली। सांसद ने कहा कि कोरोना प्रबंधन की तर्ज पर सहयोग और समर्पण से हम टीबी का उन्मूलन भी कर सकते हैं। कहा कि 2025 रुपए नहीं, बल्कि 2025 में ही टीबी को समाप्त करना है। एमएलसी डॉ. प्रज्ञा त्रिपाठी ने कहा कि सामाजिक सहयोग से ही 2025 तक टीबी मुक्त भारत का सपना साकार किया जा सकता है। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. एमएल वर्मा, उप जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. संदीप मिश्रा मौजूद रहे।

# धारदार हथियार से मारने व गाली देने के आरोपियों को तीन वर्ष कारावास

संवाददाता–श्रावस्ती। 13 वर्ष पुराने एक मामले में न्यायालय ने आरोपियों को तीन तीन वर्ष कारागार व प्रत्येक को 37 हजार जुर्माने की सजा दी है। इकौना थाने में इसका अभियोग दर्ज किया गया था। इकौना थाने के बनकटा दाखिला मदयनगर मनोहरपुर में 13 जुलाई 2011 को एक मुकदमा दर्ज कराया गया था। जिसमें बताया गया था कि तीन आरोपियों ने धारदार से हमला करके मारा पीटा और घायल कर दिया। इसके बाद जातिसूचक गाली देकर जानमाल की धमकी दी। पुलिस ने मामले दर्ज करके विवेचना न्यायालय में दाखिल किया। जिसका विचारण एससी एसटी न्यायालय में हो रहा था। बुधवार को न्यायालय ने आरोपी कामता प्रसाद पुत्र राम खिलावन व मैहीलाल पुत्र दुलारे निवासीगण बनकटा दाखिला मध्यनगर मनोहरपुरा थाना इकौना को वादी को फरसा,लाठी–डण्डे से मारना–पीटना, जाती सूचक गाली देना व जान माल की धमकी देने के अपराध में तीन वर्ष कठोर कारावास और प्रत्येक को 37 हजार रुपए का अर्थदण्ड से दण्डित किया।

# फर्जी शिकायत पर मंडल अध्यक्ष के खिलाफ लामबंद हुए सफाई कर्मी

संवाददाता–बहराइच। सफाई मजदूर संघ मंडल अध्यक्ष के खिलाफ नगर पालिका के सफाई कर्मचारी लामबंद हुए हैं। बुधवार को निकाय में बैठक कर अवैध वसूली व गलत तरीके से धर्नाजन को लेकर फर्जी शिकायतों पर नाराजगी जाहिर की। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष को पत्र भेजकर मंडल अध्यक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पूरे प्रकरण की जांच कर कार्रवाई की भी मांग की गई है, ताकि संगठन का दामन साफ रहे।

उत्तर प्रदेश सफाई मजदूर संघ के शाखा अध्यक्ष राकेश कुमार ने बताया कि जिला कार्यकारिणी कर्मचारियों के हितों में पूरी तरह से काम कर रही है, लेकिन संगठन के मंडल अध्यक्ष अवैध तरीके से कार्यों को बाधित करने के लिए नगर पालिका में फर्जी शिकायतें कर वित्तीय अनियमितता का आरोप लगाते आ रहे हैं।जबकि संगठन पदाधिकारी जीरो टालरेंस की नीति के तहत काम कराने के लिए खुद ही समय–समय पर अधिकारियों के समक्ष अपनी बात रखते हैं। जिलाध्यक्ष मिथुन बाल्मीकि ने बताया कि स्वयं भी काम न कर मानदेय लेने के लिए लगातार दबाव बनाते आए हैं। दूसरे लोगों सफाई कर्मी पद पर रखने से मना करने पर गलत तरीके से आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने बताया कि पूरे प्रकरण की रिपोर्ट प्रदेश संगठन को भेज दिया गया है। इस बारे में एक शिकायती पत्र मंडलायुक्त को भेजी गई है। जिसमें मंडल अध्यक्ष पर फर्जी शिकायत कर प्रशासनिक व्यवस्था को खराब करने के मामले में कार्रवाई की भी मांग की गई है।

# करें मछली पालन, 60 फीसदी तक मिलेगा अनुदान

संवाददाता–देवरिया। मछली पालन करने पर 40 से 60 फीसदी तक अनुदान मिलेगा। इसके लिए मत्स्य पालन विभाग एक दर्जन योजनाएं चला रहा है। जिससे जिले में मछली की पैदावार को बढ़ाया जा सके। अभी हर साल डेढ़ लाख कुंतल मछली का उत्पादन होता है। जिले में पट्टा के 2528 तालाब है, जिसका क्षेत्रफल 1375 हेक्टेयर है। जबकि निजी क्षेत्र के तालाबों की संख्या है 222 है। निजी और पट्टा के तालाबों को मिलाकर 9600 एमटी मछली की पैदावार होती है। वहीं जिले के ताल, नदियों, नालों आदि से भी 500 एमटी मछली की पैदावार होती है। जबकि जिले में मछली की खपत करीब साढ़े लाख कुंतल है। मछली का पैदावार बढ़ाने को मत्स्य पालन विभाग द्वारा एक दर्जन से अधिक योजनायें चलायी जा रही है। 25 लाख की लागत से फिनफिश हैचरी की स्थापना को 0.5 हेक्टेयर भूमि चाहिए। इसकी स्थापना पर एसटीएससी व महिला को 60 फीसदी तथा सामान्य को लागत का 40 फीसदी अनुदान मिलेगा। 7 लाख का निजी भूमि तालाब निर्माण करने, 8 लाख की लागत से खारे पानी के क्षेत्रों में नया तालाब निर्माण, 14 लाख का बायोफ्लोक तालाबों का निर्माण, 7.50 लाख, 25 लाख व 50 लाख का बायोफ्लोक एक्वाकल्चर सिस्टम, 50 हजार का बैकयार्ड रिसर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम, 10 लाख फिश कियोस्क मछली दुकान का निर्माण, 50 लाख का मनोरंजन फिशरीज का विकास, 3 लाख प्रति हेक्टेयर का पेन कल्चर, 30 लाख का लघु मत्स्य आहार मिल, 20 लाख लाइव फिश वेंडिंग सेंटर आदि योजनायें चलायी जा रही है।

उक्त सभी योजनाओं पर लागत का 40 से 60 फीसदी तक विभाग द्वारा अनुदान दिया जायेगा। विजय कुमार मिश्र, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, मत्स्य पालन विभाग ने कहा कि जिले में मछली का पैदावार बढ़ाने को विभाग द्वारा एक दर्जन से अधिक योजनायें चलायी जा रही है। पंपलेट व अन्य माध्यमों से योजनाओं का प्रचार किया जाता है, जिससे अधिकाधिक लोगों को इसका लाभ मिल सके। इच्छुक व्यक्तियों को आनलाइन आवेदन करना होगा।

# मारपीट की दो घटनाओं में 19 पर मुकदमा

संवाददाता–देवरिया। मारपीट के दो घटनाओं में सदर कोतवाली पुलिस ने 19 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। सदर कोतवाली के भीखमपुर रोड मारपीट में 9 नामजद व एक अज्ञात तथा परासिया भंडारी में हमला करने पर 9 नाजमद के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया गया है। सदर कोतवाली के परसिया भंडारी निवासी राहुल पासवान ने तहरीर दिया कि खलिहान की जमीन पर गाड़ी खड़ा करने तथा साफ–सफाई को लेकर गांव के प्रदीप पासवान, रवितेश उर्फ ढक्कन, अमरेश उर्फ धर्मेन्द्र, अमितेश उर्फ गुलशन राबड़ी देवी व बिन्जु देवी ने घर में घुसकर लोहे के राड व डंडा से हमला कर दिया। इसमें उनका सिर फट गया। हमले में उनके भाई को भी चोटें आई तथा पिता का चश्मा टूट गया। उनकी पत्नी के साथ रवितेश ने दुर्व्यवहार किया। उन्होंने मां, बहन की गाली तथा जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने उक्त सभी के खिलाफ केस दर्ज किया है। शहर के भीखमपुर रोड निवासी अमित गोड़ ने तहरीर दिया कि 11 जनवरी की रात में मुहल्ले के जवाहीर, काजल, भोली, छोटी, विद्या देवी, निकेश, मुकेश, अर्जुन, लक्ष्मी तथा अन्य दो व्यक्तियों ने लाठी, डंडा से हमला कर दिया। उन्होंने जाते समय जान माल की धमकी दी। पुलिस ने उक्त नौ नामजद व एक अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया है।

# इलाज के लिए किसी को न हो परेशानी, सीएम योगी ने सुनीं फरियादें

**संवाददाता–गोरखपुर।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार की सुबह गोरखपुर स्थित गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन में आए फरियादियों की शिकायतें सुनीं। इस दौरान उन्होंने अफसरों को आदेश दिया कि उत्तर प्रदेश में कोई इलाज के लिए परेशान न पाए। आयुष्मान कार्ड धारकों का खासतौर पर उल्लेख करते हुए सीएम योगी ने कहा कि सुनिश्चित करेंगे कि सभी पात्रों के कार्ड जल्द से जल्द बन जाएं और उन्हें जरूरत के हिसाब से अस्पतालों में सही इलाज मिले। सीएम ने कहा कि यूपी में रुपयों के अभाव में कोई इलाज से वंचित न रहे, सरकार इसका भरपूर प्रयास कर रही है।

सीएम योगी मकर संक्रांति के मौके पर गोरखपुर आए थे। बतौर गोरक्षपीठाधीश्वर उन्होंने मंगलवार को यहां गोरखनाथ मंदिर में खिचड़ी चढ़ाई और परंपरागत ढंग से पूजा–अर्चना की। इसके साथ गोरखपुर में खिचड़ी मेला की शुरुआत हो गई है। सीएम, जब कभी गोरखपुर में होते हैं तो गोरखनाथ मंदिर में सुबह–सुबह आम फरियादियों से मिलकर उनकी शिकायतें सुनते और समाधान के लिए अफसरों को निर्देशित करते हैं। बुधवार की सुबह–सुबह सीएम योगी आदित्यनाथ एक बार फिर गोरखनाथ मंदिर स्थित महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन में पहुंचे और जनता दर्शन कार्यक्रम में फरियादियों से मुलाकात की। जमीनों को लेकर लोगों की शिकायतें सुनने के बाद सीएम योगी ने कहा कि यूपी में कोई भू–माफिया बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने अफसरों से कहा कि भू–माफियाओं पर तत्काल नकेल कसें।

जनता दर्शन कार्यकम में कुर्सियों पर बैठे 200 से अधिक फरियादियों से सीएम योगी ने उनकी जगह पर जाकर बात की। उन्होंने अफसरों को आदेश दिया कि जतना की समस्याओं का समाधान 15 दिन के अंदर हो जाना चाहिए। इसके साथ लोगों को फोन कर फीडबैक भी लेना होगा। बता दें कि इस बार भी जनता दर्शन में जमीनों पर अवैध कब्जों की शिकायतें सबसे ज्यादा आई थीं। आवास की फरियाद लेकर आए जरूरतमंदों को सुन सीएम योगी ने मुख्यमंत्री आवास योजनाओं के तहत मकान दिलाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति के पास पक्का मकान होना चाहिए। सीएम योगी ने जनता दर्शन में अपनी माताओं के साथ आए बच्चों को आशीर्वाद दिया। उन्होंने कई बच्चों से बात की और उन्हें चॉकलेट भी दी।

# पिता ने शादी से इनकार किया तो प्रेमी युगल ने पहले घर छोड़ा, फिर खा लिया जहर

**संवाददाता–अम्बेडकरनगर।** पुलिस अभी दोनों को तलाश कर ही रही थी कि इसी बीच प्रेमी युगल ने प्रेमिका के घर पहुंचकर जहर खा लिया। दोनों के इस कदम से हड़कंप मच गया। आनन–फानन में दोनों को नगपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया जहां डॉक्टरों ने दोनों की हालत को देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया।

प्रेम विवाह के लिए तैयार होने के कुछ दिन बाद लड़के के पिता ने मना कर दिया तो प्रेमी युगल ने खौफनाक कदम उठा लिया। इस इनकार के बाद लड़का सीधे लड़की के घर गया और उसे लेकर कहीं गायब हो गया। लड़की के घरवालों ने इस मामले की शिकायत पुलिस से की। पुलिस अभी दोनों को तलाश कर ही रही थी कि इसी बीच प्रेमी युगल ने जलालपुर क्षेत्र स्थित प्रेमिका के घर पहुंचकर जहरीला पदार्थ खा लिया। दोनों के इस कदम से हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आनन–फानन में दोनों को नगपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने दोनों की हालत को देखते हुए उन्ह्हें जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार जलालपुर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की युवती का आजमगढ़ के कप्तानगंज के रहने वाले विशाल के साथ लव अफेयर चल रहा था। दोनों के अफेयर की जानकारी परिवारवालों को हुई तो दोनों पक्ष के लोग शादी के राजी हो गए। शादी तय होने के बाद इससे जुड़ी कुछ रस्स्में भी पूरी कर ली गईं।

हालांकि शादी की तारीख अभी तय नहीं हुई थी। इसी बीच लड़के के पिता ने पैसा कमाकर लाने की बात कहते हुए शादी से इंकार कर दिया। इससे नाराज प्रेमी युगल ने सोमवार देर शाम प्रेमिका के साथ जीवन लीला समाप्त करने की मंशा से जहर खा लिया। कुछ ही देर में दोनों की तबीयत बिगड़ गई। उनकी हालत देख परिवारवालों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों को तुरंत नगपुर सीएचसी पहुंचा। वहां डॉक्टरों ने दोनों की हालत देखी तो प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। बताया जा रहा है कि चार दिन पहले ही लड़का प्रेमिका के घर पहुंचा था। वह उसे लेकर कहीं चला गया था। लड़की के घरवालों ने इसकी शिकायत पुलिस से की। पुलिस दोनों की तलाश में जुटी थी कि इसी बीच प्रेमी युगल ने जलालपुर क्षेत्र स्थित प्रेमिका के घर पहुंचकर जहर खा लिया।

# हुक्का बार में सेक्स रैकेट का भंडाफोड़, 3 बच्चियों से गैंगरेप के बाद देह व्यापार में ढकेला, 4 गिरफ्तार

**संवाददाता–गोरखपुर।** शाहपुर के हुक्का बार में नशे की आड़ में सेक्स रैकेट चल रहा था। शाहपुर पुलिस ने दस जनवरी की रात में हुक्का बार में दबिश दी तो दो किशोरियां भी वहां से बरामद हुई थीं। किशोरियों ने उसी रात पुलिस को पूरे धंधे के बारे में बता दिया था। दोनों ने पुलिस को बताया कि हुक्का पिलाकर नशे में उनके संग सामूहिक दुष्कर्म किया गया फिर इज्जत की दुहाई देकर सेक्स वर्कर बना दिया गया। लड़कियों का आरोप है कि उन्हें कईयों के साथ सोने को मजबूर किया गया। आर्थिक रूप से कमजोर दोनों किशोरियां इस तरह से चंगुल



में थीं कि उन्हें एक रात के बदले चार हजार रुपये देने का वादा करके आरोपितों ने फंसा लिया था। जब उन्हें दलदल में फंसने की आशंका हुई तो निकल ही नहीं पा रही थीं। अगर उस रात पुलिस हुक्का बार में नहीं गई होती, तो शायद बच पाना मुश्किल था पहला केस दस जनवरी को शाहपुर थाने में कैंम्पियरगंज इलाके की रहने वाली 17 वर्ष की किशोरी ने कराया है। उसने बताया कि 2023 में उसने नौंवी में दाखिला लिया था। शाहपुर में किराये का मकान लेकर रहती है। पिता गुजरात की एक प्लास्टिक कंपनी में काम करते हैं और माता बीमार रहती हैं। लगभग 4 महीने पहले इंट्राग्राम पर आदित्य मौर्या उर्फ आदी से मुलाकात हुई और उससे दोस्ती हो गई। आदित्य मौर्या ने मुझे फ्लाई इन होटल पर मिलने के लिए बुलाया, जहां आदित्य के साथ में अनिरुद्ध ओझा व निखिल सिंह पहले से मौजूद थे। हम लोगों में पहले जान पहचान हुई और फिर साथ में खाया पीया, उसके बाद वहीं हुक्का भी पिया।

हुक्का पीने के बाद मैं अपने होश में नहीं रही और उन तीनों ने मेरे नशे में होने का फायदा उठाते हुए दुष्कर्म किया। इसके बाद होश आने पर पुलिस के पास जाने की बात कही, तो इज्जत का हवाला देते हुए कहा गया कि अगर तुम पुलिस के पास जाओगी तो इससे तुम्हारी ही बदनामी होगी, बल्कि तुम मेरे साथ काम करोगी तो इससे तुम्हे रुपये भी मिलेगे और इससे तुम्हारे घर की हालात भी सुधरेगी। वेटर की नौकरी देकर दुष्कर्म, फिर किया सौदा दूसरा केस देवरिया के खामपार इलाके के रहने एक पिता ने 13 जनवरी को शाहपुर थाने में कराया। उसने बताया कि 15 वर्षीय बेटी सहेली के साथ मोहद्दीपुर में रुम लेकर रहती थी, जहां ब्यूटी पार्लर सीखने के साथ साथ पढ़ाई भी करती थी। बेटी अपनी सहेली के साथ एक दिन जेनिस बोटल रेस्टोरेंट में गई थी, जहां उसका संपर्क होटल फ्लाई ईन के मालिक अनुराग सिंह निवासी गीता वाटिका, आदित्य मौर्या, अनिरुद्ध ओझा व निखिल सिंह से हो गई। बेटी को अपने होटल में वेटर का काम देने के बहाने रखा तथा उसके साथ होटल के कमरे में इन सभी ने दुष्कर्म किया तथा उसे बदनामी के डर से डरा धमका कर और अधिक पैसा का प्रलोभन देकर अलग अलग लोगों के साथ भी गलत काम करने के लिये भेजते थे। अनिरुद्ध के पकड़े जाने के बाद शाहपुर पुलिस से जानकारी साझा की गई तो मालूम हुआ कि यह वहां से भी वांछित है और उसके खिलाफ गैंगरेप के दो केस दर्ज हैं। मुख्य आरोपित अनिरुद्ध ओझा झंगहा के जोलहाबारी गांव का मूल निवासी है। वहीं होटल संचालक अनुराग सिंह शाहपुर, निखिल गौर देवरिया के तरकुलहा थाना क्षेत्र के जनहता गांव का निवासी है और वर्तमान में मोहद्दीपुर में रहता है। आदित्य मौर्या शाहपुर का रहने वाला है। वहीं, गीता वाटिका के ठीक सामने स्थित हुक्का बार की पुलिस ने दस जनवरी को जांच की थी। तब भी वहां पर युवक और युवतियां पकड़ी गई थीं। पुलिस सभी को थाने लाई थी। इस मामले में दर्ज केस में भी हुक्का बार संचालक अनिरुद्ध ओझा फरार चल रहा था।

## अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0– 4142/23
धारा 116 उ0प्र0रा0संहिता2006
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय बांसी जिला–सिद्धार्थनगर
त्रिभुवन
बनाम
मोनू आदि
1 मुकेश पुत्र गनेशी साकिन मसिना खास तप्पा मसिना परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला–सिद्धार्थनगर
**तारीख पेशी 24–01–2025**

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 24 माह 01 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

## अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश
(आर्डर 9 कायदा 9) (2)
अदालत– श्रीमान सिविल जज (सी0डि0)/एफ0टी0सी0 महोदय बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0– 165/2024
मूलवाद सं0– 180/2002
रामकेवल यादव आदि
बनाम
श्रीमती माया देवी आदि
1. श्रीमती माया देवी उम्र 50 साल पत्नी राम मिलन निवासी ग्राम नरहरिया तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती
**तारीख पेशी 13–02–2025**

हरगाह मुद्दई मजकुरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 13 माह 02 सन 2025 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

# आजाद समाज पार्टी ने भी घोषित किया उम्मीदवार, संतोष कुमार को बनाया प्रत्याशी



**संवाददाता–अयोध्या।** अयोध्या की मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर सपा व भाजपा के बाद सांसद चंद्रशेखर आजाद के नेतृत्व वाली आजाद समाज पार्टी ने भी प्रत्याशी घोषित कर दिया है। आसपा ने समाजवादी पार्टी से बागी हुए संतोष कुमार उर्फ सूरज चौधरी को उम्मीदवार बनाया है। इसकी घोषणा पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सुनील चित्तौड़ ने की। इस सीट पर भाजपा ने मंगलवार को उम्मीदवार की घोषणा करते हुए चंद्रभानु पासवान को उम्मीदवार बनाया। वहीं, सपा की तरफ से सांसद अवधेश प्रसाद के पुत्र अजीत प्रसाद को उम्मीदवार बनाया गया है। मिल्कीपुर सीट पर दलित मतादाता ही निर्णायक भूमिका निभाते रहे हैं। उसमें भी पासी समाज की संख्या सबसे अधिक है। यही वजह है कि पिछले कई चुनावों से सपा ने पासी समाज के ही पुराने और वरिष्ठ अवधेश प्रसाद पर दांव लगाकर सफल होती रही है। चुनावी इतिहास के आंकड़ों पर नजर डालें तो 1991 से अब तक के सभी चुनावों में इसी सीट पर भाजपा को सिर्फ दो ही बार जीत मिली है। यानि सियासी तौर पर इस सीट को सपा ही गढ़ माना जाता है। मिल्कीपुर से विधायक रहे सपा ने अवधेश प्रसाद के अयोध्या से सांसद बनने के कारण यहां उपचुनाव हो रहा है। सपा ने अवधेश प्रसाद के बेटे अजीत प्रसाद को बहुत पहले ही प्रत्याशी घोषित कर दिया था। लंबे समय से वह प्रचार में भी जुटे हुए हैं। इस बीच मंगलवार को भाजपा ने अवधेश प्रसाद के जातिगत पासी वोटरों में सेंधमारी के लिए इसी बिरादरी से आने वाले चंद्रभानू को टिकट देकर सपा का खेल बिगाड़ने की कोशिश की कर दी है। अब चंद्रशेखर के आने और सपा के ही बागी के उतरने से सपा को झटका लगने की चर्चा आम हो गई है।

# घने कोहरे में गोलंबर से टकराई कार, एक की मौत, चार की हालत गंभीर

**संवाददाता–गोरखपुर।** जिले में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां छाया घना कोहरा एक बड़े हादसे की वजह बन गया। यहां घने कोहरे की वजह से असुरन चौराहे पर बुधवार की सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। तेज रफ्तार वरना कार असुरन चौराहे पर गोलंबर से टकरा गई, जिससे कार में सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई और चार लोग घायल हो गए। इस घटना में एक महिला भी शामिल है जिसकी पहचान नहीं हो पायी है। मृतक की पहचान 35 वर्षीय आमिर लारी के रूप में हुई है, जो देवरिया जिले के निवासी थे। मेडिकल रोड की ओर से आ रही कार असुरन चौराहे के गोलंबर से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार में सवार पांचों लोग बुरी तरह घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। थाना शाहपुर



पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सभी घायलों को बीआरडी मेडिकल कॉलेज पहुंचाया, जहां डाक्टरों ने आमिर लारी को मृत घोषित कर दिया। पार्थ शुक्ला और महिला की हालत गंभीर बनी हुई है। उन्हें गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) में रखा गया है। जीत शाही और सिद्धार्थ शर्मा की स्थिति स्थिर बताई जा रही है। पुलिस का कहना है कि हादसे का मुख्य कारण घना कोहरा हो सकता है, जिससे ड्राइवर को गोलंबर स्पष्ट दिखाई नहीं दिया और कार सीधे टकरा गई। गोरखनाथ सीओ रवि कुमार सिंह ने बताया कि घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।हादसे में घायल हुए लोगों को बीआरडी मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया है।अज्ञात महिला की पहचान के लिए प्रयास जारी हैं।

# देवी–देवताओं का आर्शीवाद लेकर सपा प्रत्याशी ने किया नामांकन, बोले– बड़े अंतर से जीतेंगे



**संवाददाता–अयोध्या।** समाजवादी पार्टी प्रत्याशी अजीत प्रसाद ने देवी–देवताओं का आर्शीवाद लेकर सामान्य तरीके से नामांकन किया है। इस दौरान उनके आवास से लेकर नामांकन स्थल तक समर्थक व कार्यकर्ता मौजूद रहे। मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव को लेकर सभी प्रमुख दलों ने तस्वीर साफ कर दी है।

सपा के प्रत्याशी व सांसद पुत्र अजीत प्रसाद ने भी नामांकन किया है। इससे पूर्व वह गुप्तारघाट स्थित पंचमुखी महादेव और सरयू तट पहुंचे, जहां पूजन–अर्चन किया। सहादतगंज हनुमानगढ़ी से होकर वह आवास गए और वहां से सांसद अवधेश प्रसाद, पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडेय, जिलाध्यक्ष पारसनाथ यादव और प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एहसान अली, मोहम्मद चौधरी और शहरयार के साथ कचहरी पहुंचे और दो सेट में नामांकन किया।

इस दौरान मीडिया से बातचीत में अजीत प्रसाद ने कहा कि समाजवादी पार्टी चुनाव को लेकर पूरी तैयारी में है। यहां घर बनाम बाहर की लड़ाई है। भाजपा प्रत्याशी बाहरी हैं, जबकि वह वहीं रहते हैं। दावा किया कि सपा बड़े अंतर से यह चुनाव जीतेगी।

वहीं, भाजपा प्रत्याशी चंद्रभानु पासवान ने भी नामांकन पत्र ले लिया है। चार सेट में नामांकन पत्र लिया गया है। भाजपा प्रत्याशी की ओर से 17 जनवरी को नामांकन दाखिल किए जाने की संभावना है। इसी दिन नामांकन की अंतिम तारीख भी है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह के साथ प्रदेश सरकार के कुछ मंत्रियों के भी नामांकन में शामिल होने की उम्मीद है। नामांकन से पहले मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र में जनसभा आयोजित की जाएगी।

# किसान नेता राकेश टिकैत ने किए रामलला के दर्शन

**संवाददाता–अयोध्या।** भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत बुधवार को अयोध्या पहुंचे। यहां पर उन्होंने रामलला के दर्शन किए। इस दौरान एक बातचीत में टिकैत ने कहा कि अयोध्या हमारे परिवार की जन्मस्थली है। मैं अपने घर दर्शन करने के लिए आया हूं। राम जी का दर्शन मिला। यहां पर मंदिर का निर्माण कार्य बहुत बढ़िया ढंग से चल रहा है। दिल्ली चुनाव को लेकर टिकैत ने कहा कि केजरीवाल सरकार ने वहां पर अच्छा काम किया है। दिल्ली में एक ही वोटर दो अलग–अलग पार्टियों को लोकसभा और विधानसभा चुनाव में वोट करता है। दिल्ली सरकार अच्छा काम कर रही है। मेडिकल और शिक्षा के क्षेत्र में बहुत काम किया है। किसान आंदोलन को लेकर कहा कि भारत सरकार एमएसपी गारंटी कानून बनाए। इससे पूरे देश के किसानों को फायदा होगा। 18 जनवरी को एसकेएम की बैठक में साझा रणनीति तय की जाएगी। महाकुंभ को लेकर कहा कि पिछले 40 साल से वहां पर हमारे शिविर लगते हैं। महाकुंभ में हर किसी को स्नान करना चाहिए। वहां पर व्यवस्थाएं ठीक हैं। 12 साल में एक बार महाकुंभ लगता है। मिल्कीपुर उपचुनाव को लेकर कहा कि यहां पर कुछ भी हो सकता है। हम चुनाव से दूर हैं, इसलिए बहुत जानकारी नहीं है।

## कार्यालय ग्राम पंचायत पूरा पिरई विकास खण्ड बहादुरपुर जनपद-बस्ती।

## अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धन (S.L.W.M.) केन्द्रीय वित्त/राज्य वित्त/मनरेगा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु ई–रिक्शा, साइकिल रिक्शा, कूड़ेदान, प्लास्टिक बैंक, सफेद सीमेन्ट, गिट्टी, प्रथम श्रेणी ईंट, रोडा, सीमेन्ट, रेट्रोफिटिंग मोरंग, बालू, इण्टरलाकिंग ईट सरिया, लोहे का जाल हयूम पाइप वाल पुट्टी टीन चादर बजरफुट बजरी वाल पेटिंग प्लास्टिक पाईप कलेक्शन सेंटर हैण्डपम्प मरम्मत, रिबोर इलेक्ट्रानिक मेटेरियल आदि सामानों की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता निविदा दिनाकः 16.01.2025 से 20.01.2025 तक निविदा कार्यालय में जमा कर सकते हैं। जो दिनांक 21.01.2025 दिन में 02:00 बजे कार्यालय में खोली जायेगी। प्रतिबन्ध जो दिनांक नियम व शर्तें एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

**नोटः–** निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

**ग्राम प्रधान-अरशद अली**
**ग्राम पंचायत-पूरा पिरई**
**विकास खण्ड-बहादुरपुर, बस्ती**

**सचिव- राजेन्द्र प्रसाद**
**ग्राम पंचायत-पूरा पिरई**
**विकास खण्ड-बहादुरपुर, बस्ती**

**पत्रांक मेमो /15.01.2025 वित्तीय वर्ष 2024–25**

## अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान तृतीय अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 443/2022
दुर्गा प्रसाद
बनाम
नन्द किशोर
1/1 जय प्रकाश 1/2 देव प्रकाश 1/3 चन्द्र प्रकाश पुत्रगण नन्द किशोर 1/4 श्रीमती फूला देवी पत्नी नन्दकिशोर साकिनान मौजा भुवर सराय तप्पा दुबखरा परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती
**तारीख पेशी 01–02–2025**

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 01 माह 02 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

## अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
प्रकीर्ण अपील सं0–48/2024
अदालत– श्रीमान षष्टम् अति0 जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती
आदित्य कुमार पाण्डेय
बनाम
अली अहमद आदि
1/1 मेहताब आलम पुत्र अली अहमद 2– अरविन्द पाण्डेय पुत्र स्व0 दिवाकर पाण्डेय 3/1 आशुतोष पाण्डेय पुत्र चन्द्रशेखर पाण्डेय 4/1 अभिषेक पाण्डेय 4/2 अशोक पाण्डेय पुत्रगण जनार्दन पाण्डेय 6– अमित पाण्डेय पुत्र सुधाकर पाण्डेय 7– श्रीमती विजय लक्ष्मी पत्नी स्व0 सुधाकर पाण्डेय निवासीगण ग्राम निपनिया खुर्द तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला– बस्ती
**तारीख पेशी 31–01–2025**
अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 31 महीना 01 सन 2025 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

## अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0– 894/1992
न्यायालय–श्रीमान नवम् अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
विश्वदेव शुक्ल
बनाम
नरसिंह नरायन
1. नर्वदा शुक्ला पत्नी स्व0 नरसिंह नरायन 2. उमाशंकर शुक्ल पुत्र स्व0 नरसिंह नरायन 3. सुनील शुक्ल पुत्र स्व0 नरसिंह नरायन साकिनान मौजा जिगिनी तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती
**तारीख पेशी 24–01–2025**

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 24 माह 01 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 15 माह 01 सन 2025 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

**दैनिक भारतीय बस्ती**

**स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।**
**सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय**

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
**अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–**
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
**लखनऊ कार्यालय–**
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
**गोरखपुर कार्यालय–**
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**
**bhartiyabasti@gmail.com**